

संपादकीय

गठजोड़ की गांठें

चुनाव में मिली हार सिर्फ़ हार नहीं होती, वह शह-मात के कई और मोर्चों को भी एक साथ खोल देती है। राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश के विधानसभा चुनाव हारने के बाद कांग्रेस फिलहाल इन्हीं अनुभवों से गुजर रही है। बुधवार को दिल्ली में विपक्षी महागठबंधन ‘इंडिया’ की जो बैठक होने वाली थी, वह टाल दी गई है। कहा गया है कि बैठक अब इस महीने के तीसरे हफ्ते में कभी होगी। विधानसभा चुनावों के नतीजों ने गठजोड़ के अनेक सहयोगियों को कांग्रेस के प्रति अपना असंतोष जाहिर करने का मौका दे दिया है। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव तो इस बात को लेकर कांग्रेस से नाराज थे ही कि मध्य प्रदेश चुनाव के दौरान उनकी पार्टी को भाव क्यों नहीं दिया गया। प्रदेश की कुछ सीटों पर समाजवादी पार्टी का प्रभाव है और अखिलेश चाहते थे कि इन सीटों के लिए कांग्रेस उससे समझौता करे। समझौता नहीं हुआ, तो उन्होंने गठजोड़ पर ही सवाल उठाते हुए प्रदेश के मतदाताओं से कांग्रेस को वोट न देने की अपील कर डली। चुनाव नतीजे आने के बाद पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को भी गठजोड़ को नसीहत देने का मौका मिल गया और यह भी खबर आ गई कि वह दिल्ली बैठक में नहीं आ रही हैं। बिहार और झारखंड के मुख्यमंत्रियों के भी दिल्ली

“ कांग्रेस की पराजय को लेकर चली इस बयानबाजी में यह बात भुला दी गई कि तेलंगाना में कांग्रेस ने बहुत अच्छी जीत हासिल की है। हालांकि, रविवार को ही यह बात कही जाने लगी थी कि बीआरएस जैसी पार्टी को तो कांग्रेस हरा सकती है, पर भारतीय जनता पार्टी को हराने की क्षमता प्रदर्शित करने में वह नाकाम रही है।

बैठक में न आने के संकेत आए, तो कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के निवास पर होने वाली इस बैठक को टाल देने में ही भलाई समझी गई। कांग्रेस की हार को लेकर एक दिलचस्प बात आम आदमी पार्टी की ओर से कही गई है, यह बात भी कांग्रेस या विपक्ष की अन्य पार्टियों को चुभ सकती है। आम आदमी पार्टी के एक नेता ने कहा कि उत्तर भारत में अब आम आदमी पार्टी ही विपक्ष है, क्योंकि उसकी यहां दो राज्यों, यानी दिल्ली और पंजाब में सरकार है। कांग्रेस की पराजय को लेकर चली इस बयानबाजी में यह बात भुला दी गई कि तेलंगाना में कांग्रेस ने बहुत अच्छी जीत हासिल की है। हालांकि, रविवार को ही यह बात कही जाने लगी थी कि बीआरएस जैसी पार्टी को तो कांग्रेस हरा सकती है, पर भारतीय जनता पार्टी को हराने की क्षमता प्रदर्शित करने में वह नाकाम रही है। इस तर्क का निहितार्थ यह भी था कि ‘इंडिया’ ब्लॉक भाजपा को मात देने के मकसद से ही बनाया गया है, पर कांग्रेस इस हिसाब से बहुत अच्छी पार्टी नहीं साबित हुई है। हालांकि, एक सच यह भी है कि जिन तीन राज्यों की बात हो रही है, वे कुछ सीटों के अपवाद को छोड़कर ‘इंडिया’ ब्लॉक के प्रभाव वाले प्रदेश नहीं थे और वहां कांग्रेस को सीधी लड़ाई ही लड़नी थी। तो क्या यह मान लिया जाए कि ‘इंडिया’ ब्लॉक की संंध्या वेला अब शुरू हो गई है? भारत में विपक्ष हमेशा से ही अपने वोटों को बिखरने से रोकने की कोशिशों के लिए अभिशाप्त रहा है। यह बात अलग है कि अपने-अपने हितों और राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं का टकराव उसे बहुत ज्यादा दिन तक एकताबद्ध भी नहीं रहने देता है। चुनावी हार और जीत तो इसके अल्पविराम हैं, वरना विपक्षी दलों के जुड़ने और टूटने की यह प्रक्रिया सतत चलती रहती है। आम चुनाव अब बहुत दूर नहीं हैं और भाजपा की ओर से तो एक तरह से चुनाव अभियान शुरू भी हो गया है, इसलिए विपक्षी दलों को यह है कि वहां भी भाजपा ने अपनी सीट और वोट प्रतिशत में इजाफा ही किया है। बहरहाल, आज भी भाजपा का मुख्य गढ़ हिंदी भाषी प्रदेश और देश का पश्चिमी हिस्सा हैं। जिन तीन हिंदी प्रदेशों में चुनाव हुआ, वहां भाजपा ने अपना दबदबा फिर दिखा दिया है। स्पष्ट है कि इन तीन राज्यों में मुख्य विपक्षी पार्टी यानी कांग्रेस भाजपा से होड़ में आगे निकलने का तोड़ नहीं ढूंढ सकी। इसकी वजह यह है कि जहां 2014 के बाद भारतीय राजनीति का संदर्भ बिंदु आमूल रूप से बल्ल चुका है, वहीं ये पार्टी (वैसे तमाम विपक्षी पार्टियां का यही हाल है) अपने अतीत और कुछ सियासी टोना-टोटकों से भाजपा को हरा देने की जुगाट से ज्यादा नहीं सोच पाती।

बेशक, आज भाजपा के पास धन एवं प्रचार माध्यमों के रूप में अकूत संसाधन हैं। लेकिन उसकी जीत का सिर्फ़ यही कारण नहीं है। बल्कि वह अपनी हिंदुत्व की राजनीति के पक्ष में इतनी ठोस गोलबंदी कर चुकी है कि चुनावों में उसे परास्त करना अति कठिन हो गया है। राष्ट्रवाद को हिंदुत्व के नजरिए से परिभाषित कर उसने बड़ी संख्या में लोगों की मन-मस्तिष्क में पैठ बना ली है। दूसरी तरफ विपक्ष में कोई भाजपा की वैचारिक शक्ति का विकल्प तैयार करने का प्रयास करता हुआ भी नहीं दिखता है। संभवतः विपक्षी दलों को लगता है कि वे मतदाताओं को प्रत्यक्ष लाभ बांटने की होड़ में आगे दिखा कर चुनाव जीत लेंगे। जबकि भाजपा इस बिंदु पर भी उन्हें ज्यादा जगह नहीं देती। इस पृष्ठभूमि में विपक्षी दलों के लिए असल विचारगणीय प्रश्न यह है कि क्या बिना राजनीति की नई परिकल्पना किए और बिना राजनीति करने के नए तरीके ढूंढे वे कभी भी भाजपा को चुनौती दे पाएंगे?

आज का सामाजिक सच

तीन हिंदी भाषी राज्यों के चुनाव नतीजों से साफ है कि जातीय अस्मिता को अपनी चुनावी रणनीति का आधार बनाने की कांग्रेस की रणनीति उसे बहुत महंगी पड़ी। ऐसा इसलिए हुआ, क्योंकि यह रणनीति आज की सामाजिक हकीकत की नासमझी पर आधारित है। इसमें इस समझ का अभाव है कि 1990 के दशक में हुआ ओबीसी अस्मिता का उभार अब गुजरे जमाने की बात हो चुका है। इस बीच खुद ओबीसी के अंदर विभिन्न जातीय अंतर्विरोध तीखा रूप ले चुके हैं। दूसरी तरफ ओबीसी अस्मिता का दलित-आदिवासी समूहों के साथ टकराव खड़ा हुआ है। निहितार्थ यह कि अब ओबीसी गोलबंदी की बात करने पर टकराव सिर्फ सवर्ण जातियों से नहीं उभरता, बल्कि बहुजन की जो धारणा एक समय पेश की गई थी, उसमें शामिल कई अन्य समूहों के साथ भी अंतर्विरोध खड़ा हो जाता है। छत्तीसगढ़ के चुनाव नतीजों के सामने आ रहे विश्लेषणों से ये तमाम बातें पुष्ट होती हैं। जातीय जगणगना पर जोर देते हुए ओबीसी गोलबंदी की कांग्रेस की रणनीति ने आदिवासी समुदायों को उसके खिलाफ खड़ा कर दिया। वहीं ओबीसी के अंदर चूँकि मुख्यमंत्री कुर्मी समुदाय से आते थे, तो साहू समुदाय के लोगों ने अपने को उपेक्षित महसूस किया। कहा जा रहा है कि आदिवासियों के साथ-साथ इस समुदाय के अधिकांश वोट भी भाजपा को चले गए। ऐसा देश के दूसरे राज्यों में भी देखने को मिला है। तो निष्कर्ष स्पष्ट है। जब ओबीसी या दलित की सामूहिक राजनीतिक अस्मिता ही कमजोर हो चुकी है, तो अन्य उत्पीड़ित अस्मिताओं के साथ मिलकर सवर्ण विरोधी एक बड़ी राजनीतिक अस्मिता बना पाने का अब कोई आधार नहीं बचता। इसके बावजूद कांग्रेस सहित तमाम विपक्षी दलों का ऐसी गोलबंदी से उम्मीद जोड़े रखना यही बताता है कि जमीन से उनका संबंध टूट चुका है।

विचार

“ **महंगाई को नियंत्रित करना भी बेहद जरूरी है। कीमत बढ़ने से असंगठित क्षेत्र में मांग कम हो जाती है। इसके लिए खाने-पीने के उत्पादों का प्रबंधन करना आवश्यक है। अगी अचानक टमाटर के दाम बढ़ जाते हैं, तो कमी प्याज के। प्रतिकूल वक्त में बेशक इनके दाम बढ़ेंगे ही, लेकिन इतने भी नहीं बढ़ने चाहिए कि वे जब के अनुकूल न रहें। इसके लिए उनकी आपूर्ति पर ध्यान देना होगा।**

अरुण कुमार, वरिष्ठ अर्थशास्त्री

भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में उम्मीद से अधिक वृद्धि हुई है। राष्ट्रीय सांख्यिकीय कार्यालय के मुताबिक, इस साल जुलाई से सितंबर की दूसरी तिमाही में जीडीपी के 41.74 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान है, जो वर्ष 2022-23 की इसी तिमाही की तुलना में 7.6 प्रतिशत अधिक है। यह स्थिति तब है, जब कई आर्थिक विश्लेषक इससे कम बढ़ोतरी का अनुमान लगा रहे थे। जाहिर है, अर्थव्यवस्था में मजबूती आ रही है, जिसका शेयर बाजार ने भी स्वागत किया है। हालांकि, कोविड-पूर्व काल (2019-20) से अब तक जीडीपी 17.6 फीसदी बढ़ी है, यानी सालाना औसतन चार-सवा चार प्रतिशत, जिसका मतलब है कि अब भी जो 6.5 या सात प्रतिशत वृद्धि का अनुमान लगाया जा रहा है, हम वहां तक नहीं पहुंच पाए हैं। हमें वहां तक पहुंचना ही होगा, क्योंकि अगर हमें रोजगार पैदा करना है, तो वृद्धि दर का कम रहना परेशानी का सबब बन सकता है।

दूसरी तिमाही के आंकड़े बता रहे हैं कि कृषि क्षेत्र में विकास कम हुआ है। इस क्षेत्र में करीब 46 फीसदी लोग काम करते हैं, लेकिन इसमें महज 1.2 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। चूँकि असंगठित क्षेत्र का करीब आधा हिस्सा खेती-किसानी में लगा है, इसलिए यहां अगर रोजगार-सृजन नहीं होगा, तो अर्थव्यवस्था के बाकी हिस्सों पर नकारात्मक असर पड़ सकता है।

नए आंकड़ों से खाने-पीने की चीजों में कमी आने की आशंका भी दिख रही है।

 असीम अरुण, राज्यमंत्री, समाज कल्याण, उत्तर प्रदेश

बाबासाहेब डॉक्टर भीमराव आंबेडकर को शरीर त्यागे 67 वर्ष हो गए। उनकी याद में 6 दिसंबर को देश महापरिनिर्वाण दिवस मनाता है और उनके जीवन व दर्शन से प्रेरणा लेता है। आज जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को 2047 तक विकसित राष्ट्र की श्रेणी में खड़ा करने का संकल्प देशवासियों के सामने रखा है, तब बाबासाहेब के दर्शन की प्रासंगिकता और बढ़ गई है।

विकसित देश या विश्व गुरु से आशय है, ऐसा समाज, जो आर्थिक रूप से संपन्न हो, नैतिकता के उच्च मूल्यों को आत्मसात कर चुका हो, विकास यात्रा में किसी को पीछे न छूटने देता हो और धरती मां का सम्मान करता हो। बाबासाहेब का स्मरण करके ही हम अमृत काल को साकार करने में सफल हो सकते हैं।

सबसे पहले हम याद करते हैं डॉ आंबेडकर को एक अर्थशास्त्री के रूप में। अपनी पुस्तक रुपये की समस्या में उस समय की प्रमुख आर्थिक विषमताओं को चिह्नित करते हुए भारतीय रिजर्व बैंक का

विश्वनाथ सयदेव

चुनाव के ‘सेमीफाइनल’ का नतीजा सामने है। भारतीय जनता पार्टी को इन चार राज्यों के चुनाव में अप्रत्याशित जीत मिली है। लगभग सारे चुनावी अनुमानों को गुलत साबित कर दिया है इन परिणामों ने। राजनीति के पंडित हिसाब लगाने में लगे हैं- कुछ दावे कर रहे हैं, उन्होंने तो पहले ही कह दिया था, कुछ इसे भाजपा के राजनीतिक कौशल का परिणाम बता रहे हैं, कुछ विपक्ष की गुलत रीति-नीति को दोषी ठहरा रहे हैं। कुछ भी कहें पर इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि इन चुनाव में प्रधानमंत्री मोदी का करिश्मा काम आया है। कई कारण गिनाये जा सकते हैं चुनाव के नतीजों के संदर्भ में, पर यह एक हकीकत है कि प्रधानमंत्री ने सारा प्रचार-कार्य कुछ इस तरह से किया कि अगर जीत होती है तो यश उनकी ही झोली में पड़े। यही अब कहा भी जा रहा है। मोदी है तो मुमकिन है का नारा बार-बार दुहराया जा रहा है। ‘मोदी की गारंटी’ के जादू का झंडा कुछ इस तरह से फहराया जा रहा है जिससे लगे कि जीत के नायक वही हैं। और इसमें कुछ गलत भी नहीं है। इस सेमीफाइनल के परिणाम कुछ और होते तो कम से कम विपक्ष उन्हें ‘कारक’ कहने-बताने में चुकता नहीं। भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच हुए विश्व

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-

9827806026,
7869620239

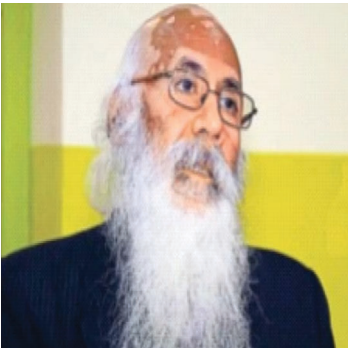
“ **महंगाई को नियंत्रित करना भी बेहद जरूरी है। कीमत बढ़ने से असंगठित क्षेत्र में मांग कम हो जाती है। इसके लिए खाने-पीने के उत्पादों का प्रबंधन करना आवश्यक है। अगी अचानक टमाटर के दाम बढ़ जाते हैं, तो कमी प्याज के। प्रतिकूल वक्त में बेशक इनके दाम बढ़ेंगे ही, लेकिन इतने भी नहीं बढ़ने चाहिए कि वे जब के अनुकूल न रहें। इसके लिए उनकी आपूर्ति पर ध्यान देना होगा।**

बढ़ती अर्थव्यवस्था का बढ़ता आकर्षण

जनसंख्या वृद्धि दर के अनुपात में इसमें वृद्धि दर कम है। दूसरी तिमाही का जीडीपी आंकड़ा बताता है कि हमारा उपभोग कम हो गया है। 2022-23 की दूसरी तिमाही में यह 59.3 प्रतिशत था, जो इस बार 2.5 फीसदी घटकर 56.8 फीसदी हो गया है। इससे मांग में समस्या पैदा हो सकती है, और जब मांग में समस्या पैदा होगी, तो वृद्धि दर प्रभावित होगी।

हालांकि, यह सुखद है कि अर्थव्यवस्था में हमारा निवेश बढ़ गया है। आंकड़े बताते हैं कि पिछले वर्ष के 34.2 प्रतिशत की तुलना में इस साल सकल स्थायी पूंजी निर्माण (जीएफसीएफ) बढ़कर जीडीपी का 35.3 प्रतिशत हो गया है। इससे उम्मीद जगती है कि अर्थव्यवस्था में निवेश यदि ठीक-ठाक रहा, तो हमारा उपभोग भी बढ़ जाएगा। मगर इसके साथ हुआ यह है कि हमारे आयात-निर्यात का अंतर बढ़ गया है।

इन सबके अलावा जीडीपी के अच्छे आंकड़ों के लिए कुछ बुनियादी काम भी किए जाने चाहिए। मसलन, हमें उपभोग बढ़ाना चाहिए। इसके लिए विशेष तौर पर कृषि पर ध्यान देना आवश्यक है। जलवायु परिवर्तन का असर इस पर खूब दिखने लगा है। पिछले साल ही बारिश देर से होने से चावल की बुआई प्रभावित हुई थी। अभी ही देश के दक्षिण हिस्से में जो चक्रवाती तूफान आया है, वह दिसंबर के महीने में अप्रत्याशित है। यह संकेत है कि जलवायु परिवर्तन से हम प्रभावित होने लगे हैं, जिसका व्यापक असर खेती-किसानी पर पड़ सकता है। कृषि क्षेत्र से इतर असंगठित क्षेत्र में जो 48 प्रतिशत लोग



आंकड़ों की विश्वसनीयता पर सवाल उठने लगते हैं। चूँकि आंकड़ों में अंतर दिखता रहा है और उतार-चढ़ाव भी, इसलिए इसका हरसंभव संतुलन आवश्यक है।

इन सबके अलावा जीडीपी के अच्छे आंकड़ों के लिए कुछ बुनियादी काम भी किए जाने चाहिए। मसलन, हमें उपभोग बढ़ाना चाहिए। इसके लिए विशेष तौर पर कृषि पर ध्यान देना आवश्यक है। जलवायु परिवर्तन का असर इस पर खूब दिखने लगा है। पिछले साल ही बारिश देर से होने से चावल की बुआई प्रभावित हुई थी। अभी ही देश के दक्षिण हिस्से में जो चक्रवाती तूफान आया है, वह दिसंबर के महीने में अप्रत्याशित है। यह संकेत है कि जलवायु परिवर्तन से हम प्रभावित होने लगे हैं, जिसका व्यापक असर खेती-किसानी पर पड़ सकता है। कृषि क्षेत्र से इतर असंगठित क्षेत्र में जो 48 प्रतिशत लोग

अमृत काल में भी खूब काम आ रहा बाबासाहेब का दर्शन



ब्लू प्रिंट उन्होंने प्रस्तुत किया था। आज हम जीएसटी जैसा सुदृढ़ व पारदर्शी सिस्टम बना चुके हैं, और आगे ऐसी सशक्त प्रणालियां और भी विकसित करनी होंगी। जमीन की खरीद-फरोख्त का पारदर्शी व आधुनिक तरीका ईजाद करने, जनपदीय न्यायालयों को त्वरित व कार्य-कुशल बनाने, ब्यूरोक्रेसी को

विशेषज्ञ व ईमानदार बनाने जैसे मूलभूत चुनौतों पर ध्यान केंद्रित करना होगा। बाबासाहेब का ध्यान हमेशा समस्याओं के प्रणालीगत हल निकालने पर था, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी आत्मसात किया है।

बाबासाहेब ने कहा था, ‘मैं समाज की प्रगति को उस प्रगति के स्तर से नापता हूँ, जो उनकी महिलाओं ने हासिल की हो।’ महिलाओं को पैतृक संपत्ति में हिस्सा दिलाने के लिए देश के पहले कानून मंत्री के रूप में उन्होंने हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम की नींव रखकर इतिहास रचा था। आज डबल इंजन की सरकार ने मुख्य सरकारी योजनाओं में महिलाओं को लाभार्थी बनाकर उन्हें नई ताकत दी है। चाहे प्रधानमंत्री आवास योजना हो या मध्य प्रदेश की लाडली बहना, पूरा पैसा

इन चुनाव में हमने देखा कि वादे और दावे तो हुए ही, एक नया शब्द भी ईजाद किया गया-गारंटी। वैसे तो वादा भी गारंटी ही होना चाहिए, पर इस बार चुनाव-प्रचार में इस शब्द पर विशेष जोर दिया गया। कांग्रेस पार्टी ने शायद सबसे पहले यह शब्द काम में लिया था, फिर प्रधानमंत्री ने इसे ‘मोदी की गारंटी’ कह कर और ज्यादा पुख्ता बनाने की कोशिश की। भले ही यह किसी ने नहीं बताया कि कथित गारंटी पूरी करने का आधार क्या भरमाया जा सकता है। इसी तरह, इस बात पर भी विचार होना चाहिए कि हमारे यहां जिस तरह का चुनाव-प्रचार होता है, या फिर मतदाता को रखाने की जिस तरह से कोशिशें होती हैं, वह जनतांत्रिक मूल्यों की दृष्टि से कितनी सही हैं?

Sargam

Musicals

Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair

DURG:-

Near Tarun Adlabs

Station Road, Durg (C.G.)

Durg, Ph. 2330588, 982660688

RAIPUR:-

Near Manju Mamta

Reaustaurant, M.G. Road

Raipur, Ph. 4013288, 930387196

काम कर रहे हैं, हमें वहां भी आमदनी बढ़ानी होगी, ताकि उपभोग बढ़े। गरीबों के हाथों में पैसे जाने से उनकी ऋय-क्षमता बढ़ती है, जिसका बाजार को फायदा होता है। इससे निजी निवेश में भी वृद्धि होती है।

जरूरत उन क्षेत्रों पर भी ध्यान देने की है, जहां कामगारों की अधिकता है। संगठित क्षेत्र में तो तमाम तरह की उन्नत तकनीक इस्तेमाल होते हैं, लेकिन जिन क्षेत्रों में हाथों से ज्यादा काम होता है, वहां यदि तरक्की की जाएगी, तो रोजगार-निर्माण को गति मिल सकती है। हमें शहरी क्षेत्रों में शिक्षित नौजवानों के हाथों को काम देना होगा और ग्रामीण क्षेत्रों में गैर-कृषि क्षेत्र को आगे बढ़ाना होगा, क्योंकि खेतों में अब काम का दायरा सिमटने लगा है। माइक्रो सेक्टर को तक्ज्जो देने से यह संभव हो सकता है।

महंगाई को नियंत्रित करना भी बेहद जरूरी है। कीमत बढ़ने से असंगठित क्षेत्र में मांग कम हो जाती है। इसके लिए खाने-पीने के उत्पादों का प्रबंधन करना आवश्यक है। अभी अचानक टमाटर के दाम बढ़ जाते हैं, तो कभी प्याज के। प्रतिकूल वक्त में बेशक इनके दाम बढ़ेंगे आवश्यक है। लेकिन इतने भी नहीं बढ़ने चाहिए कि वे जब के अनुकूल न रहें। इसके लिए उनकी आपूर्ति पर ध्यान देना होगा।

यहां जीएसटी में सुधार को नजरंदाज करना भी गलत है। इसने सूखम व लघु उद्योग को नकारात्मक रूप से प्रभावित

‘वैश्विक अर्थव्यवस्था’ की आकर्षक शब्दावली से ढकने की कोशिश हुई। यूं कहने को प्रधानमंत्री ने यह अवश्य कहा कि वे सिर्फ़ गरीबी को ही जाति मानते हैं, पर जोर उनका इस बात पर भी रहता था कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के कार्यकाल में हमारा भारत विश्व की पांचवीं अर्थव्यवस्था बन गया है। और शीघ्र ही हम ‘विकसित देशों’ की श्रेणी में आ जाएंगे। तीसरी

वैश्विक अर्थव्यवस्था बन जाएंगे। मतदाता को किसी ने यह बताते की जरूरत नहीं समझी कि पांचवीं या तीसरी वैश्विक अर्थव्यवस्था का मतलब क्या होता है? मतदाता को अपने निर्वाचित प्रतिनिधियों से यह पूछना चाहिए कि पांचवें से तीसरे नंबर तक आने से उसकी दो जून की रोटी सुरक्षित हो जाएगी? विडंबना तो यह है कि आज एक ओर विकसित देश बनने के वादे किये जा रहे हैं और दूसरी ओर अस्सी करोड़ भारतवासियों को मुफ्त आना देने की व्यवस्था से चिरे हैं हम।

इन चुनावों के प्रचार के दौरान न विपक्ष यह पूछ रहा था और न ही सत्तारूढ़ यह है कि इस बार उन मुद्दों की बात बहुत कम हुई जिन्हें ज़िंदगी के जरूरी मुद्दे कहा जाता है। मसलन गरीबों की बात को ‘वैश्विक अर्थव्यवस्था’ की आकर्षक शब्दावली से ढकने की कोशिश हुई। यूं कहने को प्रधानमंत्री ने यह अवश्य कहा कि वे सिर्फ़ गरीबी को ही जाति मानते हैं, पर जोर उनका इस बात पर भी रहता था कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के कार्यकाल में हमारा भारत विश्व की पांचवीं अर्थव्यवस्था बन गया है। और शीघ्र ही हम ‘विकसित देशों’ की श्रेणी में आ जाएंगे। तीसरी वैश्विक अर्थव्यवस्था बन जाएंगे। मतदाता को किसी ने यह बताते की जरूरत नहीं समझी कि पांचवीं या तीसरी वैश्विक अर्थव्यवस्था का मतलब क्या होता है? मतदाता को अपने निर्वाचित प्रतिनिधियों से यह पूछना चाहिए कि पांचवें से तीसरे नंबर तक आने से उसकी दो जून की रोटी सुरक्षित हो जाएगी? विडंबना तो यह है कि आज एक ओर विकसित देश बनने के वादे किये जा रहे हैं और दूसरी ओर अस्सी करोड़ भारतवासियों को मुफ्त आना देने की व्यवस्था से चिरे हैं हम।

इन चुनावों के प्रचार के दौरान न विपक्ष यह पूछ रहा था और न ही सत्तारूढ़ यह है कि इस बार उन मुद्दों की बात बहुत कम हुई जिन्हें ज़िंदगी के जरूरी मुद्दे कहा जाता है। मसलन गरीबों की बात को ‘वैश्विक अर्थव्यवस्था’ की आकर्षक शब्दावली से ढकने की कोशिश हुई। यूं कहने को प्रधानमंत्री ने यह अवश्य कहा कि वे सिर्फ़ गरीबी को ही जाति मानते हैं, पर जोर उनका इस बात पर भी रहता था कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के कार्यकाल में हमारा भारत विश्व की पांचवीं अर्थव्यवस्था बन गया है। और शीघ्र ही हम ‘विकसित देशों’ की श्रेणी में आ जाएंगे। तीसरी वैश्विक अर्थव्यवस्था बन जाएंगे। मतदाता को किसी ने यह बताते की जरूरत नहीं समझी कि पांचवीं या तीसरी वैश्विक अर्थव्यवस्था का मतलब क्या होता है? मतदाता को अपने निर्वाचित प्रतिनिधियों से यह पूछना चाहिए कि पांचवें से तीसरे नंबर तक आने से उसकी दो जून की रोटी सुरक्षित हो जाएगी? विडंबना तो यह है कि आज एक ओर विकसित देश बनने के वादे किये जा रहे हैं और दूसरी ओर अस्सी करोड़ भारतवासियों को मुफ्त आना देने की व्यवस्था से चिरे हैं हम।

इन चुनावों के प्रचार के दौरान न विपक्ष यह पूछ रहा था और न ही सत्तारूढ़ यह है कि इस बार उन मुद्दों की बात बहुत कम हुई जिन्हें ज़िंदगी के जरूरी मुद्दे कहा जाता है। मसलन गरीबों की बात को ‘वैश्विक अर्थव्यवस्था’ की आकर्षक शब्दावली से ढकने की कोशिश हुई। यूं कहने को प्रधानमंत्री ने यह अवश्य कहा कि वे सिर्फ़ गरीबी को ही जाति मानते हैं, पर जोर उनका इस बात पर भी रहता था कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के कार्यकाल में हमारा भारत विश्व की पांचवीं अर्थव्यवस्था बन गया है। और शीघ्र ही हम ‘विकसित देशों’ की श्रेणी में आ जाएंगे। तीसरी वैश्विक अर्थव्यवस्था बन जाएंगे। मतदाता को किसी ने यह बताते की जरूरत नहीं समझी कि पांचवीं या तीसरी वैश्विक अर्थव्यवस्था का मतलब क्या होता है? मतदाता को अपने निर्वाचित प्रतिनिधियों से यह पूछना चाहिए कि पांचवें से तीसरे नंबर तक आने से उसकी दो जून की रोटी सुरक्षित हो जाएगी? विडंबना तो यह है कि आज एक ओर विकसित देश बनने के वादे किये जा रहे हैं और दूसरी ओर अस्सी करोड़ भारतवासियों को मुफ्त आना देने की व्यवस्था से चिरे हैं हम।

किया है। बेशक, किसी उत्पाद के उत्पादन से लेकर उपभोक्ता के हाथों में पहुंचने तक की शृंखला में अंतिम स्तर पर ही जीएसटी लेने के प्रावधान हैं, लेकिन बीच में भी इसे किसी न किसी रूप में जमा किया जाता है, जिससे जटिलताएं बढ़ती हैं। इसको खत्म करना आवश्यक है, और इसे वास्तव में आखिरी स्तर का टैक्स बनाने की जरूरत है।

यह समझना होगा कि अर्थव्यवस्था में यदि सुधार होता है, तो शेयर बाजार में भी तेजी आती है। यह बेशक उम्मीदों पर टिका बाजार है, लेकिन तात्कालिक आर्थिक नीतियां इसे खूब प्रभावित करती हैं। जैसे, अभी शेयर बाजार में जो उछाल है, वह दूसरी तिमाही के आंकड़े और चुनाव नतीजे, दोनों के परिणाम हैं। दूसरी तिमाही के आंकड़ों ने जहां अर्थव्यवस्था में मजबूती के संकेत दिए, वहीं चुनाव नतीजों ने निवेशकों को यह भरोसा दिया कि सरकार अपनी नीतियां जारी रख सकती है और उसमें शायद ही कोई बदलाव करेगी। मौद्रिक नीति, वैश्विक मंदी की आशंका कम होने, ब्याज दरों में वृद्धि के निर्मूल साबित होने, और आपूर्ति-शृंखला की रूकावटों से पार पाने की कोशिशों ने हमारे बाजार पर सकारात्मक असर डाला है। निस्संदेह, शेयर बाजार कुछ सकारात्मक चीजें देख रहा है, इसलिए वह तेजी से आगे बढ़ रहा है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

‘वैश्विक अर्थव्यवस्था’ की आकर्षक शब्दावली से ढकने की कोशिश हुई। यूं कहने को प्रधानमंत्री ने यह अवश्य कहा कि वे सिर्फ़ गरीबी को ही जाति मानते हैं, पर जोर उनका इस बात पर भी रहता था कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के कार्यकाल में हमारा भारत विश्व की पांचवीं अर्थव्यवस्था बन गया है। और शीघ्र ही हम ‘विकसित देशों’ की श्रेणी में आ जाएंगे। तीसरी

वैश्विक अर्थव्यवस्था बन जाएंगे। मतदाता को किसी ने यह बताते की जरूरत नहीं समझी कि पांचवीं या तीसरी वैश्विक अर्थव्यवस्था का मतलब क्या होता है? मतदाता को अपने निर्वाचित प्रतिनिधियों से यह पूछना चाहिए कि पांचवें से तीसरे नंबर तक आने से उसकी दो जून की रोटी सुरक्षित हो जाएगी? विडंबना तो यह है कि आज एक ओर विकसित देश बनने के वादे किये जा रहे हैं और दूसरी ओर अस्सी करोड़ भारतवासियों को मुफ्त आना देने की व्यवस्था से चिरे हैं हम।

इन चुनावों के प्रचार के दौरान न विपक्ष यह पूछ रहा था और न ही सत्तारूढ़ यह है कि इस बार उन मुद्दों की बात बहुत कम हुई जिन्हें ज़िंदगी के जरूरी मुद्दे कहा जाता है। मसलन गरीबों की बात को ‘वैश्विक अर्थव्यवस्था’ की आकर्षक शब्दावली से ढकने की कोशिश हुई। यूं कहने को प्रधानमंत्री ने यह अवश्य कहा कि वे सिर्फ़ गरीबी को ही जाति मानते हैं, पर जोर उनका इस बात पर भी रहता था कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के कार्यकाल में हमारा भारत विश्व की पांचवीं अर्थव्यवस्था बन गया है। और शीघ्र ही हम ‘विकसित देशों’ की श्रेणी में आ जाएंगे। तीसरी वैश्विक अर्थव्यवस्था बन जाएंगे। मतदाता को किसी ने यह बताते की जरूरत नहीं समझी कि पांचवीं या तीसरी वैश्विक अर्थव्यवस्था का मतलब क्या होता है? मतदाता को अपने निर्वाचित प्रतिनिधियों से यह पूछना चाहिए कि पांचवें से तीसरे नंबर तक आने से उसकी दो जून की रोटी सुरक्षित हो जाएगी? विडंबना तो यह है कि आज एक ओर विकसित देश बनने के वादे किये जा रहे हैं और दूसरी ओर अस्सी करोड़ भारतवासियों को मुफ्त आना देने की व्यवस्था से चिरे हैं हम।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

‘वैश्विक अर्थव्यवस्था’ की आकर्षक शब्दावली से ढकने की कोशिश हुई। यूं कहने को प्रधानमंत्री ने यह अवश्य कहा कि वे सिर्फ़ गरीबी को ही जाति मानते हैं, पर जोर उनका इस बात पर भी रहता था कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के कार्यकाल में हमारा भारत विश्व की पांचवीं अर्थव्यवस्था बन गया है। और शीघ्र ही हम ‘विकसित देशों’ की श्रेणी में आ जाएंगे। तीसरी

वैश्विक अर्थव्यवस्था बन जाएंगे। मतदाता को किसी ने यह बताते की जरूरत नहीं समझी कि पांचवीं या तीसरी वैश्विक अर्थव्यवस्था का मतलब क्या होता है? मतदाता को अपने निर्वाचित प्रतिनिधियों से यह पूछना चाहिए कि पांचवें से तीसरे नंबर तक आने से उसकी दो जून की रोटी सुरक्षित हो जाएगी? विडंबना तो यह है कि आज एक ओर विकसित देश बनने के वादे किये जा रहे हैं और दूसरी ओर अस्सी करोड़ भारतवासियों को मुफ्त आना देने की व्यवस्था से चिरे हैं हम।

कारण क्या हैं? इस बात को नहीं भुलाया जाना चाहिए कि वैश्विक भूख सूचकांक की 123 देशों की सूची में भारत का स्थान 107वां है। चुनाव-प्रचार के दौरान इसकी भी चर्चा कहीं सुनाई नहीं दी। गरीबी की तरह ही बेरोज़गारी का मुद्दा भी कुल मिलाकर अनसुना ही रहा विपक्ष के भाषणों में यह शब्द कभी-कभी सुनाई दे जाता था, पर इसे उस ताकत से नहीं उठाया गया जितनी ताकत से उठाया जाना चाहिए था।

चुनाव-परिणामों का विश्लेषण करने वालों का कहना है कि इस बार महिला-मतदाताओं की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण रही। जरूर रही होगी। महिलाओं ने मतदान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया है, यह सही है। चुनाव-परिणामों पर भी इसका निश्चित असर पड़ा है। पर यह बात कब किसी ने सामने लायी कि देश की आधी से अधिक महिलाएं शारीरिक दृष्टि से कमजोर क्यों हैं? महिला सशक्तीकरण के नाम पर ढेरों घोषणाएं हुई हैं, सभी दलों ने महिलाओं को लाभ दिलाने के वादे किये, सस्ता सिलेंडर, घर में नल, नकद सहायता आदि की तो बहुत दुहाई दी गयी, पर विधायिका में महिलाओं को तीस प्रतिशत भागीदारी देने और उसका समर्थन करने वालों में से किसी भी राजनीतिक दल में इन चुनावों में एक-तिहाई उम्मीदवार खड़े करना जरूरी नहीं समझा।

— 100 —

ADMISSION OPEN

12th CLASS

REGULAR STUDENT

GET CLASS 11th SYLLABUS CLASSES for FREE

APPLY NOW

COMMERCE GURU

www.commerceguru.in

commerceguru2011@gmail.com

95, Gourav Path, Sundar Nagar, Bhubaneswar

+91 9644454810

+91 8103338634

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

इनकम TAX ITR फाईल

बनवायें मात्र 500/- में

TDS, GST, TAX Expert सम्पर्क- शेखर गुप्ता

9300755544

onlytlds@gmail.com

WWW.ONLYTDS.COM

बुधवार, 6 दिसंबर 2023

पेज-3

खास खबर

सशस्त्र सेना झण्डा दिवस कल

रायपुर। सशस्त्र सेना झंडा दिवस प्रति वर्ष भारतीय सेना की बहादुरी, त्याग व समर्पण के सम्मान में एवं वीर शहीदों की स्मृति में हमारे देश में 07 दिसम्बर को हर्ष के साथ मनाया जाता है। इस परिप्रेक्ष्य में सचिव, राज्य सैनिक बोर्ड एवं संचालक सैनिक कल्याण, ब्रिगेडियर विवेक शर्मा, न्ही. एस. एम (से.नि), द्वारा छत्तीसगढ़ के सभी नागरिक से अपील की गई है कि शहीद सैनिकों की विधवाओं, भूतपूर्व सैनिकों एवं सेना में सेवारत सैनिकों और उनके आश्रितों के पुनर्वास तथा कल्याणकारी योजनाओं के लिये अधिक से अधिक दान देकर इस पुनीत कार्य में अपनी सहभागिता प्रदान करें। गौरतलब है कि सशस्त्र सेना झण्डा दिवस समस्त नागरिकों के लिये अपनी सेना में विषम एवं दुर्गम इलाकों में सेवारत सैनिकों, वीर शहीदों के परिवार व भूतपूर्व सैनिकों के प्रति सम्मान प्रकट करने का उत्तम अवसर है, जिसमें सभी नागरिक दिल खोलकर सशस्त्र सेना झंडा दिवस निधि में बढ़ चढ़कर योगदान दे सकते हैं। झंडा दिवस की यह राशि घायल सैनिकों के पुनर्वास, शहीद सैनिकों के परिवार को आर्थिक सहायता एवं भूतपूर्व सैनिकों एवं उनके आश्रितों हेतु कल्याणकारी योजनाओं एवं पुनर्वास में उपयोग की जाती है।

विभिन्न सविदा पदों के लिए कौशल परीक्षा एवं साक्षात्कार 9 को

रायपुर। जला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा जारी विभिन्न सविदा पदों के लिए कौशल परीक्षा/साक्षात्कार दिनांक 09 दिसम्बर दिन शनिवार को आयोजित की जायेगी। पात्र अभ्यर्थी कौशल परीक्षा/साक्षात्कार का स्थान, समय एवं प्रवेश पत्र से संबंधित जानकारी प्राप्त करने हेतु जिला एवं सत्र न्यायालय, रायपुर की वेबसाइट का सतत अवलोकन कर सकते हैं। सभी सविदा पदों के पात्र एवं अपात्र आवेदकों की सूची जिला एवं सत्र न्यायालय, रायपुर की वेबसाइट में अपलोड कर दिया गया है। इसके लिए दावा आपति 10 नवम्बर तक मंगाई गई थी। दावा आपति का भर्ती विज्ञापन में निहित शर्तों के अनुसार निराकरण कर एक अनुपात तीस के प्रावीण्यता अंक के आधार पर सूची तैयार की गई है। अभ्यर्थियों की कौशल परीक्षा/साक्षात्कार हेतु सूची तैयार कर जिला एवं सत्र न्यायालय, रायपुर के वेबसाइट में अपलोड कर दी गई है। गौरतलब है कि कार्यालय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रायपुर द्वारा 06 अक्टूबर को सविदा-कार्यालय सहायक/क्लर्क, रिसर्पेसिस्ट-सह-डाटा एण्ट्री ऑपरेटर कार्यालय भृत्य (मुंशी/अटेन्डेंट) के रिक्त 1-1 पद की पूर्ति हेतु अभ्यर्थियों से आवेदन पत्र आमंत्रित किये गये थे।

धान खरीदी में सीमावर्ती इलाकों में विशेष निगरानी करने की आवश्यकता : कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। कलेक्टर विजय दयाराम के. ने विधानसभा निर्वाचन के दौरान सभी अधिकारियों-कर्मचारियों को बेहतर ढंग से मिले दायित्व निर्वहन की बधाई देते हुए कहा कि निर्वाचन सम्बन्धी जो जिम्मेदारी दी गई उसे सभी अधिकारियों-कर्मचारियों ने पूरी तन्मयता से किया। मतगणना कार्य में संलग्न महिला कर्मियों द्वारा बेहतर तरीके से किया गया, इसके लिए उन सभी महिलाओं को विशेष बधाई दी।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2024 में अधिकांश समय निर्वाचन कार्य में जाएगा इसे मद्देन रखते हुए वर्किंग सीजन में विभागों के सभी दायित्वों का निर्वहन करें। कलेक्टर विजय मंगलवार को जिला कार्यालय के प्रेरणा सभाकक्ष में समय-सीमा की बैठक को सम्बोधित कर रहे थे।



कलेक्टर ने धान उपाजर्जन की स्थिति, धान उठाव के लिए डीओ काटने की स्थिति, मिलर्स का पंजीयन इत्यादि की समीक्षा करते हुए लक्ष्य के आधार पर धान का उठाव करवाना सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने सभी एसडीएम, तहसीलदार, पटवारियों एवं मॉनिटरिंग ग्रुप के नोडल अधिकारी उपाजर्जन केंद्रों का सतत निरीक्षण करने

के निर्देश दिए। उन्होंने सीमावर्ती इलाकों में विशेष निगरानी करने की आवश्यकता बताई। साथ ही अनुविभागीय दण्डाधिकारी अपने अनुभाग के प्रत्येक समिति का प्रतिदिन की डाटा का जांच करते हुए एसडीएम, तहसीलदार, धान खरीदी में 70-30 प्रतिशत के आधार पर लघु, सीमांत और बड़े किसानों का टोकन

काटने व उपाजर्जन करने की स्थिति का जांच करें। कलेक्टर ने बैठक में स्व सहायता समूहों तथा समितियों का लंबित भुगतान की कार्यवाही को तत्काल करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने ने एमआरएफ और एसएलआरएम सेंटर की स्थिति, सीमार्ट, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, किसान क्रेडिट कार्ड के

सम्बन्ध में सभी विकासखण्ड के एसएडीओ से इसकी प्रगति की समीक्षा किए। इसके अलावा प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत कार्यों में प्रगति, पशुधन विकास विभाग की योजनाओं, लाईवलीहुड मिशन के कार्यों, सघन मोतियाबिंद जांच, बस्तर क्षेत्र विकास प्राधिकरण मद, विशेष केंद्रीय सहायता मद, जिला खनिज न्यास संस्थान मद और सीएसआर मद के कार्यों की प्रगति की समीक्षा किए।

कलेक्टर ने विभिन्न विभागों के कर्मचारियों का पेंशन प्रकरणों को कोष, लेखा एवं पेंशन से आपति लगने के उपरांत निराकरण करवाने के साथ-साथ आगामी माहों में सेवानिवृत्त होने वाले के अधिकारी-कर्मचारियों के सभी स्वत्वों का निराकरण करने के निर्देश भी दिए। इस अवसर पर सीईओ प्रकाश सर्वे, अपर कलेक्टर सीपी बघेल, आयुक्त नगर निगम हरेश मंडावी सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर ने ली समय-सीमा की बैठक, जन समस्याओं के निराकरण करने के लिए निर्देश

अब फिर से प्रति सोमवार लगेगा कलेक्टर जनचौपाल

सफलता पूर्वक निर्वाचन संपन्न होने पर अधिकारी-कर्मचारियों को दी बधाई

रायपुर। कलेक्टर डॉ सर्वेश्वर भुरे ने आज कलेक्टोरेट परिसर स्थित रेडक्रास सभाकक्ष में समय-सीमा की बैठक ली। उन्होंने सभी जिला अधिकारियों को जिले में सफलतापूर्वक निर्वाचन कार्य संपन्न होने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि सभी ने टीम भावना से कार्य किया और जो भी दायित्व सौंपा गया उसे

समर्पण भाव से निर्वहन किया। कलेक्टर ने कहा कि आचार संहिता समाप्त हो गई है, सभी विभाग जनता से जुड़े कार्यों को गति प्रदान करें और जनता की समस्याओं का जल्द से जल्द निराकरण करें। अब हमेशा की तरह प्रति सोमवार सुबह 10:30 बजे दोपहर 1:30 बजे तक कलेक्टर जनचौपाल शुरू की जाएगी। जिसमें आमजन की समस्याओं को सुना जाएगा और यथासंभव निराकरण किया जाएगा। डॉ भुरे ने कहा कि राजस्व विभाग के सभी अधिकारी राजस्व न्यायालय में बैठना आरंभ करें और लंबित प्रकरणों का तत्काल निराकरण करें। नगर निगम नागरिकों को मूलभूत सुविधाएं जैसे साफ-

सफाई, पेयजल इत्यादि की गुणवत्तापूर्व सुविधा प्रदान करें। शिक्षा विभाग स्कूलों का संचालन नियमित रूप से करें और बच्चों की अतिरिक्त कक्षाएं लेकर निर्धारित पाठ्यक्रम को पूर्ण कराएं। निरंतर वीकली टेस्ट लें। महिला बाल विकास को आंगनबाडियों को निरंतर संचालन करें और बच्चों-महिलाओं को पूरकपोषण आहार देना सुनिश्चित करें। लोक निर्माण विभाग तथा अन्य संबंधित विभाग सड़कों की मरम्मत कार्य पूर्ण करें। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अंबिनाश मिश्रा, सभी एडीएम-एसडीएम तथा अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ से गुजरने वाली चार ट्रेनों को रद्द कर दिया है। इस बाद दक्षिण भारत के यात्रा करने वाले यात्रियों को दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। दरअसल दक्षिण मध्य रेलवे, सिकंदराबाद रेल मण्डल के काजीपेट जं-कोंडापल्ली सेक्शन एवं विजयवाड़ा रेल मण्डल के विजयवाड़ा-गोधरा जं के बीच तीसरी रेलवे लाइन का कार्य जाएगा। यह कार्य दिनांक 03 से 19 दिसम्बर, 2023 तक किया जा रहा है। इसके कारण यह ट्रेनें रद्द रहेंगी। इसके अलावा कुछ ट्रेनों को परिवर्तित मार्ग से चलाया जाएगा।

रद्द होने वाली गाडियां

दिनांक 03, 07, 10, 14 एवं 17 दिसम्बर, 2023 को तिरुपति से चलने वाली गाड़ी संख्या 12482 तिरुपति-बिलासपुर एक्सप्रेस रद्द रहेगी। दिनांक 05, 09, 12, 16 एवं 19 दिसम्बर, 2023 को बिलासपुर से चलने वाली गाड़ी संख्या 17481 बिलासपुर- तिरुपति एक्सप्रेस रद्द रहेगी। दिनांक 17 दिसम्बर, 2023 को बिलासपुर से चलने वाली गाड़ी संख्या 12851 बिलासपुर-चेन्नई सेंट्रल एक्सप्रेस रद्द रहेगी। दिनांक 18 दिसम्बर, 2023 को चेन्नई सेंट्रल से चलने वाली गाड़ी



संख्या 12852 चेन्नई सेंट्रल - बिलासपुर एक्सप्रेस रद्द रहेगी।

परिवर्तित मार्ग से चलने वाली गाडियां

दिनांक 17 दिसम्बर, 2023 को तिरुनेलवेली से चलने वाली गाड़ी संख्या 22620 तिरुनेलवेली-बिलासपुर एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग रेंगिगुंटा जंक्शन-गुंतकल जंक्शन-सुलेहल्ली-सिकंदराबाद-काजीपेट- बल्हाराशाह होकर खाना होगी। दिनांक 17 दिसम्बर, 2023 को बिलासपुर चलने वाली गाड़ी संख्या 22815 बिलासपुर-एणांकुलम एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग बल्हाराशाह-काजीपेट-सिकंदराबाद-सुलेहल्ली-गुंतकल जंक्शन-रेंगिगुंटा जंक्शन होकर खाना होगी।

दिनांक 13 एवं 16 दिसम्बर, 2023 को कोरबा चलने वाली गाड़ी संख्या 22647 कोरबा-कोचुवेलि एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग रेंगिगुंटा जंक्शन-धोने-कांचीगुडा-निजामाबाद-मुंदखेड-पिंपळखुटि-नागपुर होकर खाना होगी। दिनांक 11 एवं 14 दिसम्बर, 2023 को कोचुवेलि चलने वाली गाड़ी संख्या 22648 कोचुवेलि-कोरबा एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग नागपुर-पिंपळखुटि-मुंदखेड-निजामाबाद-कांचीगुडा-धोने-रेंगिगुंटा जंक्शन होकर खाना होगी। दिनांक 10 एवं 17 दिसम्बर, 2023 को बिलासपुर से चलने वाली गाड़ी संख्या 12851 बिलासपुर-चेन्नई सेंट्रल एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग बिलासपुर- विजयनागम-दुव्वाडा- विजयवाड़ा होकर खाना होगी।

अब देर रात तक नहीं खुलेंगी राजधानी की दुकानें

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर में अब देर रात तक दुकानें नहीं खुली रहेंगी। शहर में अब रात 11 बजे तक बाजार बंद होगा। इसके साथ ही अवैध अतिक्रमणों पर भी तेजी से कार्रवाई होगी। कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर भुरे ने आज शहर में कानून व्यवस्था की स्थिति पर अधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक ली। इस बैठक में एस एस पी प्रशांत अग्रवाल ने कानून व्यवस्था संबंधित आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में पुलिस के अधिकारियों सहित नगर निगम रायपुर और बीरगांव के अधिकारी भी मौजूद रहे।

कलेक्टर डॉ. भुरे ने रायपुर शहर में



यातायात को भी सुव्यवस्थित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सड़कों के किनारे लगी गुमटियों और अस्थायी दुकानों, ठेलों को तत्काल हटाने के निर्देश दिए ताकि इनसे लोगों को आने-जाने में होने वाली परेशानी

और भीड़ के कारण लगने वाले जाम से निजात मिल सके। सड़कों और स्कूलों के आस-पास अवैध रूप से संचालित पान ठेलों, अस्थायी दुकानों और गुमटियों को हटाने के निर्देश भी दिए। उन्होंने पुलिस

अधिकारियों को निर्देश दिए कि आसामाजिक तत्वों पर अंकुश लगाए और कानून तोड़ने वालों पर कड़ी कार्रवाई करें। अवैध चखना सेंटर पर कार्रवाई करें देर रात तक चलने वाले एवं समय सीमा के बाहर चलने वाले क्लब, बार तथा सड़क-हाइवे इत्यादि पर पार्टी और अड्डेबाजी करने वाले असामाजिक तत्वों पर त्वरित एवं कड़ी कार्रवाई करें। उन्होंने कहा कि दोनों नगर निगम में अतिक्रमण विरोधी दस्ता बनाया जाए, जो अवैध अतिक्रमण चिह्नित कर हटाने की कार्रवाई करें। उन्होंने कहा कि सभी एडीएम पुलिस अधिकारियों के साथ रात में गस्त करें और कानून व्यवस्था भंग करने वाले तत्वों पर कार्रवाई करें।

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना : 6 हितग्राहियों को मिले घरेलू गैस कनेक्शन

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। कलेक्टर कुलदीप शर्मा के निर्देशानुसार बालोद जिले में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना का सफल क्रियान्वयन प्रारंभ हो गया है। जिला खाद्य अधिकारी तुलसी ठाकुर ने बताया कि इस योजना के अंतर्गत 5 दिसम्बर को जिले के अलग-अलग विकासखण्डों के 6 हितग्राहियों को घरेलू कनेक्शन प्रदान किया गया है। इसके अंतर्गत जिले के डौणडी विकासखण्ड के श्रीमती पूर्णिमा बाई, पति तिहारू राम बाई नं 04 एवं श्रीमती शांति निषाद, पति डोमैन्द्र निषाद बाई नं 24, दल्लीराजहरा को प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना अंतर्गत घरेलू कनेक्शन प्रदाय किया गया। इसी तरह जिला मुख्यालय बालोद के बाई नंबर 09 निवासी श्रीमती उज्ज्वला योगी एवं श्रीमती अन्नपूर्णा योगी तथा गुण्डरदेही विकासखण्ड के ग्राम बघेली निवासी फ़मेश बाई पति शत्रुघ्न लाल एवं डौणडीलोहारा



विकासखण्ड के ग्राम कोबा निवासी श्रीमती नंदिनी बाई को आज घरेलू सिलेण्डर प्रदान किया गया। उल्लेखनीय है कि इस योजना के तहत परिवार के महिला मुखिया जिनके पास पूर्व से घरेलू कनेक्शन नहीं है उनके नाम पर गैस कनेक्शन के तहत 01 नग भरा सिलेण्डर, डबल बर्नर स्टील चूल्हा, 01 नग रेगुलेटर एवं पाईप प्रदान किया जा रहा है। जिला खाद्य अधिकारी तुलसी ठाकुर ने बताया कि पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत वर्ष 2016-17 से 2018-19 तक जिले के 76,806 गरीब वर्ग के परिवारों को मात्र 200 रुपये पंजीयन

शुल्क पर प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजनातर्गत घरेलू सिलेण्डर प्रदाय किया गया है। जिला खाद्य अधिकारी ने बताया कि इस योजना के तहत गरीबी रेखा के बीपीएल सूची में सम्मिलित 07 अप्रवंचन सूचकांकों में सम्मिलित परिवार, अन्त्योदय अन्न योजना के तहत राशनकार्डधारी परिवार, अनुसूचित जाति एवं जनजाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग के प्राथमिकता राशनकार्डधारी परिवार, प्रधानमंत्री आवास योजनातर्गत पात्र परिवारों को लाभान्वित किया जाएगा। हितग्राहियों को प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना का लाभ लेने हेतु निर्धारित प्रारूप में आवेदन, परिवार के 18 या 18 वर्ष से अधिक उम्र के सभी सदस्यों का आधार कार्ड की छायाप्रति, महिला मुखिया जिसके नाम पर आवेदन किया जा रहा है उसका बैंक खाता की छायाप्रति, राशनकार्ड की छायाप्रति के साथ आवेदन किया जाना है।

ऊं साईं राम माँ पुस्तक भंडार



होलसेल में काफी-किताब एवं स्टेशनरी सामान मिलने का एक मात्र स्थान

पुरानी एवं नई पुस्तकें खरीदी व बेची जाती है

रावणभाटा, सुपेला, भिलाई (छ.ग.)
मो. 7489051024, 7770845578

Since 1972

CROWN - TV

Choice Of Millions

LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Premier sales 8959493000

A Leela Electronics 9425507772

Reena Electronics 9329132299

Shree Electronics 7000827361

Maa Durga Electronics 9827183839

Rohit Electronics 94242-02866

Authorised Distributors

For Chhattisgarh

Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...



औद्योगिक भ्रमण: स्कूली बच्चों ने जाना बैंक का कामकाज

रायपुर। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पुरगांव के बैंकिंग वीएफएसआई के विद्यार्थियों को बैंक ऑफ बड़ौदा बिलाईगढ़ में औद्योगिक भ्रमण कराया गया। इसका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को विषय वस्तु के साथ-साथ कौशल विकास व रोजगारमुखी शिक्षा से पारंगत करना होता है।

प्राचार्य एसएस सवर व व्यावसायिक प्रशिक्षक महेंद्र कुमार सेन के नेतृत्व में यह भ्रमण कराया गया। शाखा प्रबंधक व स्टाफ ने बच्चों को बैंक के विभाग और वहां होने वाले कामों के बारे में बताया। साथ ही बच्चों को नोट गिनने की मशीन से नोट गिनती कर और विभिन्न प्रकार के जमा योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी। आ औद्योगिक भ्रमण पर शासकीय उच्चतर माध्यमिक स्कूल के विद्यार्थी।

स्वस्थ मिट्टी से उपजा भोजन स्वस्थ मानव शरीर के लिए आवश्यक: डॉ. चंदेल

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के मृदा विज्ञान व रसायन शास्त्र विभाग के अन्तर्गत संचालित अखिल भारतीय मृदा परीक्षण एवं फसल अनुक्रिया परियोजना तथा कृषि विज्ञान केन्द्र, रायपुर के संयुक्त तत्त्वधान में विश्व मृदा दिवस पर मंगलवार को 'मृदा एवं जल: जीवन का आधार तथा उर्वरकों का संतुलित उपयोग' विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।



अनुसंधान सेवाएं डॉ. विवेक त्रिपाठी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के अधिकारी, वैज्ञानिक, छात्र छात्राएं एवं परसदा, टेकारी तथा नवागांव के प्रगतिशिल किसान उपस्थित थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने मानव स्वास्थ्य एवं मृदा के स्वास्थ्य के संबंधों के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुये बताया कि उत्तम स्वास्थ्य

वाली मृदा से उत्पादित पौष्टिक भोजन से ही मानव शरीर का स्वास्थ्य अच्छा रहता है। उन्होंने कहा कि मृदा में उपस्थित सूक्ष्म जीवों की सक्रियता मृदा स्वास्थ्य को बनाये रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह भी एक सत्य है कि मानव शरीर में भी 60 हजार से अधिक सूक्ष्म जीव उपस्थित रहते हैं। उन्होंने प्राकृतिक कृषि को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल देते हुये कहा कि मृदा एवं जल के

महत्व की व्यापक एवं सार्थक जानकारी नागरिकों को मिले इसके लिये प्राथमिक शिक्षा में इसे एक अनिवार्य पाठ के रूप में शामिल किया जाना आज के समय की आवश्यकता है।

अध्यक्षीय उद्घोषण में डॉ. अजय वर्मा ने कहा कि वर्तमान समय में भारी मशीनरी के कृषि में उपयोग से मृदा कड़ी हो रही है। इसके लिये हमें आवश्यकतानुसार ही कृषि यंत्रों का उपयोग मृदा की तैयारी में करना चाहिये तथा पर्याप्त मात्रा में जैविक खादों का उपयोग करना चाहिए। नीर तारिक अली ने कहा कि छत्तीसगढ़ का वातावरण अत्यंत शांत है, यहां के लोग अत्यधिक सरल एवं सहज तथा प्रबंधन का बेहतरीन उदाहरण यहीं विशाल संख्या में उपस्थित उत्कृष्ट स्तर के तालाब में देखने को मिलता है जिसमें सिंचित वर्षा जल निस्तारी के साथ-साथ कृषि उत्पादन तथा भू-जल के पुनः-भरण सहायक है।

बेमौसम बारिश ने किसानों की मेहनत पर फेरा पानी



रायपुर। किसानों की साल भर की मेहनत उनके खेतों में ही सहेजकर रखी फसल के बारिश से भीगकर खराब होने का चिंता बढ़ गया है। बारिश के कारण किसानों को फसल की कटाई मिंजाई से लेकर धान को सहेजकर रखने में परेशानी होगी, वहीं दूसरी ओर सब्जियों की फसल पर भी कीट का खतरा बढ़ जाएगा।

बेमौसम बारिश ने प्रदेश के

किसानों के मेहनत में पानी फेर दिया है। किसानों के खेतों में नमी आ जाने से परेशानियां बढ़ गई हैं। खेत खलिहानों में धान की फसल को भी नुकसान हुआ है।

दलहन, तिलहन व सब्जी की फसल को भी भारी नुकसान पहुंचा है। वहीं ठंड भी ग्रामीणों की हाड़ कंपा दे रही है। ठंड में भारी बारिश से किसानों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

अमलीडीह में तीन दिवसीय कबीर सत्संग समारोह 9 से



नवनिर्वाचित विधायक मोतीलाल साहू होंगे मुख्य अतिथि

रायपुर। सद्गुरु कबीर सत्संग समिति एवं आमिन माता महिला मंडल के संयुक्त तत्वावधान में अमलीडीह के महात्मा गांधी नगर स्थित शिव मंदिर प्रांगण में त्रि-दिवसीय कबीर सत्संग समारोह का आयोजन 9 दिसम्बर से किया जा रहा है।

समिति के संरक्षक केदारनाथ साहू एवं अध्यक्ष रामकुमार साहू ने बताया कि यह सत्संग समारोह 9 दिसंबर को 9 बजे गुरु महिमा पाठ एवं दीप प्रज्ज्वलित के साथ किया गया जाएगा। संध्याकालीन सभा में सरल सरिल भजन ग्रुप (सुरेश

ठाकुर) अपना प्रस्तुति देंगे। मुख्य वक्ता के रूप में दयाधाम दामाखड़ा के महंत मुकावन दास होंगे एवं अनेक संत महंतों का प्रवचन एवं भजन सत्संग कार्यक्रम 3 दिन तक चलेगा। 10 नवम्बर को दिन भर सत्संग प्रवचन एवं भजन मंडलियों का सत्संग होगा तथा शाम 7 बजे सादर आदर्श पंडवानी शैली में ग्रंथ गायन श्रीमती त्रिवेणी साहू द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा। संध्या 5 बजे कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नवनिर्वाचित विधायक मोतीलाल साहू का आगमन होगा।

विशेष अतिथि पूर्व मंत्री सत्यनारायण शर्मा, विशेष अतिथि पंकज शर्मा, पार्षद संख्या नानू ठाकुर, पूर्व पार्षद गोविन्द मिश्रा, मेघू साहू, विनय निर्मलकर होंगे।

कार्यालयों में फाइलों से छेड़छाड़, पूर्व सीएम रमन ने अधिकारियों को दी चेतावनी

रायपुर। पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने फाइलों से छेड़छाड़ के मामले में बड़े अधिकारियों को साफ चेतावनी दी है। इंटरनेट मीडिया एक्स पर एक ट्वीट पोस्ट करते हुए उन्होंने लिखा कि प्रदेश के कुछ अधिकारी महत्वपूर्ण फाइलों को बैकडेट पर स्वीकृत कर रहे हैं, जो कि पूर्णतः अनुचित हैं। उन्होंने कहा कि मैं ऐसे सभी अधिकारियों को बताना चाहता हूँ कि आप प्रशासनिक व्यवस्था के हिस्से हैं और जब तक प्रदेश में नई सरकार का गठन नहीं होता तब तक ऐसे किसी भी प्रकार के अनुचित कार्य करने से आप सभी को बचना चाहिए।

सूत्रों के मुताबिक मंत्रालय व इंद्रावती भवन के कई बड़े अधिकारियों के खिलाफ पुरानी तारीखों में फाइलों को स्वीकृत कराने की शिकायत पहुंची है।

पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय का तीन दिवसीय युवा उत्सव शुरू

विजेता प्रतिभागी साउथ ईस्ट जोन अंतर-विश्वविद्यालयीन प्रतियोगिता में होंगे शामिल

रायपुर। पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय की ओर से अंतर महाविद्यालयीन युवा उत्सव-2023 का आयोजन किया जा रहा है। इसकी शुरुआत छह दिसंबर से होने जा रही है। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय, लखनऊ (यूपी) के कुलपति प्रो. मांडवी शामिल होंगे।

वहीं विशिष्ट अतिथि पीआरएसयू के कुलसचिव डा. शैलेंद्र कुमार पटेल होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता पीआरएसयू के कुलपति प्रो. सच्चिदानंद शुक्ला करेंगे। छह से आठ दिसंबर तक आयोजित तीन दिवसीय युवा उत्सव में नृत्य, संगीत, रंगोली, स्पाट पेंटिंग, डिबेट सहित विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। विजेता प्रतिभागी 37वें



साउथ ईस्ट जोन अंतर-विश्वविद्यालयीन प्रतियोगिता में पीआरएसयू का प्रतिनिधित्व करेंगे।

इस प्रकार होगा आयोजन

छह दिसंबर को नृत्य प्रतियोगिता विवि आडिटोरियम में सुबह 10 बजे से, फाइन आर्ट (पोस्टर मेकिंग और स्पाट पेंटिंग), साहित्यिक कार्यक्रम में डिबेट कला ब्लाक के सेमिनार हाल में सुबह 10 बजे से शुरू होगा। अंतिम दिन आठ दिसंबर को 'थियेटर और एक्जुक्शन' का आयोजन कला भवन में सुबह 10 से किया जाएगा।

दिसंबर को संगीत कार्यक्रम विवि आडिटोरियम में सुबह 10 बजे से, फाइन आर्ट (पोस्टर मेकिंग और स्पाट पेंटिंग), साहित्यिक कार्यक्रम में डिबेट कला ब्लाक के सेमिनार हाल में सुबह 10 बजे से शुरू होगा। अंतिम दिन आठ दिसंबर को 'थियेटर और एक्जुक्शन' का आयोजन कला भवन में सुबह 10 से किया जाएगा।

विधायकों की सुरक्षा के लिए 500 जवानों की तैनाती

रायपुर। छत्तीसगढ़ में सभी 90 नवनिर्वाचित विधायकों और पूर्व विधायकों की सुरक्षा के लिए अतिरिक्त पीएसओ को तैनात किया गया है, इसमें नक्सल प्रभावित बस्तर और सरगुजा से लेकर अन्य स्थानों से पहली बार निर्वाचित विधायक शामिल हैं। इसके लिए विशेष रूप से प्रशिक्षित जिला बल के 500 जवानों को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

बताया जाता है कि विधानसभा चुनाव के पहले ही निर्वाचित विधायकों को तत्काल सुरक्षा उपलब्ध कराने के निर्देश सभी जिलों के एसपी को दिए गए थे। वहीं चुनाव में हारने वाले और पूर्व विधायकों की सुरक्षा को आगामी आदेश तक यथावत रखने कहा गया था। बता दें कि राज्य में नई सरकार के गठन के बाद जनप्रतिनिधियों को उपलब्ध सुरक्षा का गृह विभाग रिव्यू करेगी।

गृह विभाग के अधिकारियों का कहना



है कि नई सरकार के गठन के बाद मंत्रियों और विधायकों को जरूरत के अनुसार

सुरक्षा मिलेगी। मंत्रियों को 2 से 3 और विधायकों को 1 से 2 पीएसओ को दिया

जाएगा। संवेदनशील क्षेत्रों को देखते हुए इसका निर्णय लिया जाएगा। बता दें कि आईबी की रिपोर्ट पर गृहमंत्रालय ने विधानसभा चुनाव से पहले राज्य के 24 नेताओं की अस्थाई रूप से सुरक्षा बढ़ाई गई थी। पूर्व मुख्यमंत्री अमित जोगी को 'जेड' श्रेणी की सुरक्षा और अन्य 23 नेताओं को 'एक्स' श्रेणी की सुरक्षा दी गई थी। इसे दिसंबर तक यथावत रखने कहा गया था।

पहली बार बने 38 नए विधायक

प्रदेश में पहली बार करीब 38 विधायक पहली बार चुनकर आए हैं। इन सभी को निर्वाचित होते ही तत्काल सुरक्षा उपलब्ध कराई गई है। 2023 में हुए चुनाव में भाजपा को 54, कांग्रेस को 35 और अन्य को 1 सीट मिली है।

रायपुर के राणी सती दादी मंदिर में 49 वर्षों से जल रही अखंड जोत, राजस्थान के झुंझनू स्थित मूल मंदिर से लाई गई थी जोत

रायपुर। नारी शक्ति और ममतामयी मां के रूप में राणी सती दादी के प्रतिरूप की स्थापना वर्ष 1975 में राजातालाब में मंदिर का निर्माण करवाकर की गई थी। मंदिर के गर्भगृह में राणी सती दादी की पूजा शक्ति स्वरूप त्रिशूल के रूप में की जाती है।



मंदिर में राणी सती को विराजित करने से पूर्व राजस्थान के झुंझनू जिले में स्थित मूल मंदिर से जोत प्रज्वलित कर राजधानी लाई गई थी। जोत का दर्शन करने के लिए प्रदेशभर से राणी सती दादी के हजारों भक्त शामिल हुए थे। 49 साल से गर्भगृह में अखंड जोत प्रज्वलित हो रही है। हिंदू संवत्सर के प्रत्येक महीने की अमावस्या और नवमी तिथि पर जोत का दर्शन करने श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती है।

संगमरमर, पत्थर से निर्मित मंदिर आकर्षण का केंद्र

कलेक्टरेट ऑफिस से थोड़ी ही दूरी पर राजा तालाब मोड़ पर राजस्थान के मकराणा के संगमरमर और पत्थर को तराशकर बना मंदिर आकर्षण का केंद्र है। 50 साल पहले मंदिर निर्माण से पूर्व श्रद्धालु अपने घर पर ही 'राणी सती दादी का मंगल पाठ और

पूजन, आरती किया करते थे। श्रद्धालुओं के सहयोग से भव्य मंदिर बनाया गया। तबसे, प्रत्येक महीने अमावस्या पर विशेष रौनक छाई रहती है।

मंदिर से जोत जलाकर घर ले जाते हैं

जब कभी किसी श्रद्धालु के निवास पर राणी सती दादी का मंगल पाठ और जागरण का आयोजन किया जाता है। तब, मंदिर की अखंड जोत से जोत प्रज्वलित कर श्रद्धालु

अपने घर सम्मान के साथ ले जाते हैं।

दो दिवसीय जन्मोत्सव के शुभारंभ पर लगा 56 भोग

मंदिर समिति के अध्यक्ष किशोर डोलिया एवं कैलाश अग्रवाल ने बताया कि राणी सती दादी का जन्मोत्सव अगहन माह के कृष्ण पक्ष की नवमी तिथि पर श्रद्धा उल्लास से मनाए जाने की परंपरा चली आ रही है। यह मंगसिर नवमी के रूप में प्रसिद्ध है। मंगलवार को दो दिवसीय जन्मोत्सव का

शुभारंभ हुआ। पहले दिन शाम को दीप प्रज्वलन और आरती करके 56 भोग अर्पित किया गया। इसके पश्चात भजन गायकों ने भजनों की प्रस्तुति दी। रात्रि में महाआरती करके प्रसाद वितरण किया गया।

अनेक देवी-देवताओं की प्रतिमाएं

नारी शक्ति की प्रतीक राणी सती दादी मंदिर में भोलेनाथ, मां पार्वती, राधा-कृष्ण, श्रीराम-सीता, हनुमान की प्रतिमाओं का भी दर्शन किया जा सकता है। मंदिर में एक वर्ष में दो उत्सव धूमधाम से मनाया जाता है। पहला उत्सव भाद्रपद अमावस्या पर और दूसरा उत्सव अगहन कृष्ण नवमी पर मनाया जाता है। 56 भोग के अलावा नवविवाहित जोड़े और बच्चों की जात धोक पूजा करने श्रद्धालुओं का तांता लगता है।

आज नवमी पर जात धोक पूजा

अगहन कृष्ण पक्ष की नवमी तिथि को मौना या मंगसिर नवमी कहा जाता है। 6 दिसंबर को सुबह 7.30 बजे जात-धोक पूजा के साथ जन्मोत्सव मनाया जाएगा। दोपहर 2 बजे से दादीजी का मंगल पाठ शुरू होगा। शाम को महाआरती और प्रसाद वितरण के साथ जन्मोत्सव का समापन होगा।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:- 9303289950, 9827806026, 8962815243

आरना इंटरप्राइजेस
कांठवाला वाटरपूरी फायरके विक्रेता एवं सुधारक
 छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मान्यता प्राप्त
 इलेक्ट्रॉनिक तराजू एवं सीसीटीवी कैमरा के विक्रेता व सुधारक
 सर्कुलर मार्केट केम्प-2, भिलाई, न्यू जेपी रोड के सामने
 7828844440, 9993045122
 नया बस स्टैंड, शिव मंदिर रोड, दुर्ग, 09981370285, 9302833333

आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
अनुप ट्रेडर्स
 सर्कुलर मार्केट, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई

प्रमोद इंटरप्राइजेस
 गेंहू, चावल एवं दाल के थोक विक्रेता
 लिंग रोड, केम्प-2, भिलाई-दुर्ग
 फोन: 0788-2225449, 93290-13017

Hotel Shiv Prabha Inn. & Town King
 The Family Restaurant
 46-C Market, Near Sapana Talkies & Hotel Apana Keshari Lodge, Power House, Bhitai, Distt.-Burg (C.G.)
 9893215251, 8966981590
 Email:- ranjanaguptakeshary@gmail.com

BIHAR BOOT HOUSE
 Jawahar Market, Power House, Bhitai 9826181183

प्रीति ड्रेसेस
 मेन्स एण्ड लेडिस वियर
 जवाहर मार्केट, पावरहाउस, भिलाई
 मो. 9589230033, 9993840094

● जीन्स
 ● टी-शर्ट
 ● शर्ट
 ● ट्राउजर
भारत जीन्स
 जवाहर मार्केट, पावर हाउस, भिलाई



आंखों को नुकसान

सर्दियों में बाल सुखाने या हेयर स्टाइल के लिए हेयर ड्रायर का काफी इस्तेमाल किया जाता है। भीगे बालों से होने वाले नुकसान से बचने के लिए लगभग हर घरों में इसका इस्तेमाल किया जाता है। बता दें कि हेयर ड्रायर का इस्तेमाल आपके बालों की नेचुरल सुंदरता पर बुरा असर डाल सकता है। इससे आपके बाल रूखे-सूखे होने के साथ ही कई तरह से डैमेज भी हो सकते हैं।

स्किन डिहाइड्रेटेड हो सकती है। इसके अलावा आपके होंठ भी फट सकते हैं।

दो मुंहे बाल

बालों में हेयर ड्रायर का ज्यादा इस्तेमाल करने से दो मूहें बालों की समस्या भी बढ़ती है।

हेयर ड्रायर का इस्तेमाल करते समय इन बातों का रखें ध्यान

हेयर ड्रायर का इस्तेमाल करते समय बालों से दूरी दूसरी 6-9 इंच बनाकर रखें। इसके अलावा बालों के हिसाब से ही ड्रायर का इस्तेमाल करें और इसके तापमान का ध्यान न रखें। बालों को हेयर ड्रायर से होने वाले नुकसान से बचाने के लिए सबसे पहले इसमें सीसीएम जरूर लगाएं। रुखे और मेसी बालों के लिए ड्रायर का इस्तेमाल बिल्कुल न करें

निर्दिष्ट अब बढ़ रही हैं। अगले कुछ दिनों में कड़ुके की ठंड घटने के आसार हैं। ऐसे में लोगों ने पड़ने के रूम हीटर तैयार कर लिए हैं। ठंडा के मौसम में रूम हीटर चलाकर कमरे में बैठना काफी सहज होता है। इसका इस्तेमाल बाढ़ी में करने पर होता है। हालाँकि, इलेक्ट्रिकसप्लाय रूम हीटर के कमरे में इस्तेमाल की सलाह देते हैं। न्यूनिक, इसके गंभीर खतरे भी हो सकते हैं। उनका कहना है कि जलाली से भी रातभर हीटर चलाकर ही नहीं खना चाहिए, करना जानलेवा हो सकता है। पिछले कुछ सालों में रूम हीटर से मौत के भी कई मामले आ चुके हैं। इसलिए वायवधानी बरतनी चाहिए।



के साइड इफेक्ट्स को कम करने के लिए ह्यूमिडिफायर का इस्तेमाल कर सकते हैं। अस्थमा और सांस के मरीजों को तो हीटर जितना कम हो सके, उतना कम इ कम ही चलाना चाहिए।

■ एक्सपर्ट्स के मुताबिक, रूम हीटर कमरे की हवा को ड्राई करने का काम करता है, जिससे स्किन

■ ज्यादा रूम हीटर चलाने से आंखें भी प्रभावित होती हैं। इससे आंखों में ड्राईनेस की समस्या हो सकती है और इरिटेशन फील हो सकता है। ऐसा होने पर हीटर तुरंत बंद कर दें।

■ कुछ लोगों को रूम हीटर से एलर्जी भी होती है। इससे निकली गर्म हवा से नाक भी ड्राई हो सकती है।

■ अस्थमा या सांस के मरीजों को रूम हीटर में ज्यादा देर तक नहीं रहना चाहिए। वरना कमरे में ऑक्सीजन का स्तर कम हो सकता है, इससे सांस में समस्या हो सकती है।

रूम हीटर चलाने के 5 गंभीर नुकसान

■ एक्सपर्ट्स के मुताबिक, रूम हीटर कामे की हवा को ड्राई करने का काम करता है, जिससे स्किन

■ रूम हीटर से निकलने वाली कार्बन मोनो ऑक्साइड गैस सेहत के लिए खतरनाक होती है। यही कारण है कि लंबे समय तक रूम हीटर के इस्तेमाल से बचना चाहिए।



शंखपुष्पी को दूध में मिलाकर
पिएँ- अगर आप अपना
 ज्विन्दास समय लैपटॉप या फोन
 पर बिता देते हैं या लंबे समय तक
 पढ़ाई करते हैं तो इससे मानसिक
 रूप से थका हो जाती है। इससे
 आराम पाने के लिए शंखपुष्पी
 पाउडर को पानी या दूध के साथ
 मिलाकर पिएँ। इसमें याददास्त
 बढ़ाने वाले और आराम देने वाले
 गुण होते हैं, जो आपके दिमाग की
 काम करने की क्षमता को बढ़ाते
 हैं। साथ ही यह मानसिक थकान
 को दूर करके आपको सक्रिय भी
 रखती है।

स्ट्रेस और एंटी-डिप्रेशन गुण मौजूद होते हैं। गोदू कोला में एंटी-एंजायटी गुण भी शामिल होता है, जो बेचैनी और व्याकुलता को कम कर सकते हैं। **अश्वगंधा भी है प्रभावी:-** अश्वगंधा के पाउडर का सेवन भी मानसिक स्वास्थ्य के लिए लाभदायक माना जाता है।

रिपोर्ट के मुताबिक, 50
वयस्कों पर किए गए एक
अध्ययन में याददाश्त, ध्यान,
सोच, प्रतिक्रिया समय और
सूचना-प्रक्रिया क्षमताओं में बड़े
पैमाने पर सुधार देखा गया, जब
उन्होंने 8 साप्ताहिक प्रतिदिन 600
मिलीग्राम अश्वत्था अर्क का
सेवन किया। दरअसल, एक जड़ी
बूटी में एडाप्टोजेनिक होता है, जो
मानसिक तनाव को कम करके
दिमाग को आराम देती है। यहाँ
जाँिए अश्वत्था के फायदे।

अकरकरा का करें सेवन:-
अकरकरा का इस्तेमाल लंबे समय
से मानसिक स्वास्थ्य और

संज्ञानात्मक कार्यप्रणाली में सुधार के लिए किया जाता अा रहा है। इसमें कुछ बलायोजितव छोटे अणु होते हैं, जो दिमाग के रसायनों को टूटने से रोकते हैं और याददाश्त, सोच, शक्ति, सतर्कता और ध्यान को बढ़ाते हैं। विभिन्न अध्ययनों में पता चला है कि इस प्राकृतिक घटक ने नए जटामाई और अन्य मानसिक स्थितियों वाले रोगियों की स्थिति में सुधार किया है।

जटामांसी भी है लाभदायक
जड़ी बूटी:- जटामांसी भी एक प्रभावी मेमोरी बूस्टर के रूप में भी काम कर सकती है। यह सीखने और संज्ञानात्मक कौशल में सुधार कर सकती है। साथ ही यह एक पुनर्स्थापना एजेंट के रूप में कार्य करती है और कमजोर याददाश्त से पीड़ित लोगों की मदद करती है। लाभ के लिए जटामांसी के पाउडर को ब्राह्मी, अश्वगंधा और वाचा के साथ मिलाकर पानी के साथ गिराए।

गुब्बारी कपूर की लोटेस्ट रिलीज फिल्म 'एनिमल' ने देश को नहीं पूरी दुनिया के बॉक्स ऑफिस पर हंगामा मचाया हुआ है। फिल्म को ऑर्डिनेस से बेशुमार प्यार मिल रहा है और इसे देखने के लिए लोगों की दीवानगी बढ़ती ही जा रही है। इसी के साथ थिएटर्स हाउसफुल जा रहे हैं और नजीरतन 'एनिमल' पर खूब नोटों की बरसात हो रही है। चलिए यहां जानते हैं 'एनिमल' ने रिलीज के चार दिनों में वर्ल्डवाइड कितना कलेक्शन कर लिया है।

संदीप रेड्डी वांगा निर्देशित 'एनिमल' दुनिया भर के बॉक्स ऑफिस पर दमदार परफॉर्म कर रही है। फिल्म ने ग्लोबली भी ऑर्डिंस को काफी प्रभावित किया है इसी के साथ वर्ल्डवाइड 'एनिमल' का डंका बज गया है। फिल्म की वर्ल्डवाइड चार दिनों की कमाई की बात करें तो इसे ग्लोबली 425 करोड़ छाप लिए हैं।

फिल्म के मेकर्स ने एक्स (जिसे पहले टिवटर के नाम से जाना जाता था) पर एक पोस्ट शेयर कर 'एनिमल' के वर्ल्डवाइड कलेक्शन का खुलासा किया है। पोस्ट में लिखा गया है, 'एनिमल का क्रैकट्रैक मंडे और फिल्म को एक ब्लॉकबस्टर सक्सेस कहा गया है। फिल्म व्यापार विश्लेषक द्वारा की गई पोस्ट के मुताबिक एनिमल ने वैश्विक बॉक्स ऑफिस पर अपने रिलीज के दिन 116 करोड़ रुपये कमाए, पहले शनिवार को फिल्म का वर्ल्डवाइड कलेक्शन 120 करोड़ रुपये रहा, रविवार को भी फिल्म ने ग्लोबली 120 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया, मंडे को 'एनिमल' ने वर्ल्डवाइड 69 करोड़ रुपये की कमाई की। इसी के साथ 'एनिमल' का दुनियाभर में चार दिनों का कुल कलेक्शन 425 करोड़ रुपये हो गया है।

एनिमल इस बीच बॉलीवुड की गलियारों से लेकर हर तरफ चर्चा में बनी हुई है। फिल्म के कई सीन सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। वायरल सीन में एक सीन एक्ट्रेस तृषि डिमरी और रणबीर कपूर है जहां दोनों जमकर रोमांस करते नजर आ रहे हैं।

निमल में रणबीर कपूर और रश्मिका मंदाना के साथ तुषि डिमरी भी शामिल हैं। फिल्म में दोनों एक्ट्रेस रणबीर के लव ऐंगल से नजर आ रही हैं। तुषि डिमरी की बात करें तो एक्ट्रेस एनिमल से पहले कला फिल्म में नजर आई थीं। पर एक्ट्रेस एनिमल की रिलीज के बाद तेजी से लाइमलाइट में आ गई हैं। दरअसल एनिमल में तुषि डिमरी 'मोया' नाम की लड़की का किरदार निभा रही हैं। फिल्म में उनका रणबीर कपूर के साथ एक

एक्टर सीन शूट किया गया है जो सक्का ध्यान
 चं रह गया है। फेंस का तो यह भी कहना है कि
 फिल्म में तुम डिमरी को ही लीड एक्ट्रेस होना
 चाहिए था। बता दें कि तुमि भले ही एमिलनल
 सीन को लेकर चर्चा में आ गई हो लेकिन इससे
 तुमकी भी वह कई बॉलीवुड फिल्मों में नजर आ
 की हैं। बॉलीवुड की कई मेनस्ट्रीम फिल्मों के
 चरित्रों के बीच उनकी पहचान नहीं बना पाई थी
 एमिलनल उनके करियर की बुरफ्त साबित
 हुई है। तुमि डिमरी ने 2017 में रिलीज हुई फ़िल्म
 में अपने अपने करीबी को शुरुआत की थी।
 इसमें वह एक छोटी सी भूमिका में नजर आई।
 इसके बाद एक्ट्रेस सनी डीओल, बांकी देओल
 और ग्रेगस तलपडे की फिल्म पोस्टर बाँच में
 दिखाई दीं। मगर उनकी पहचान निर्देशक इमियाज
 की फिल्म लैला-मजनून से मिली थी। इसके
 अलावा एक्ट्रेस बुलबुल नन्जरी की वेब सीरीज में

नजर आई थीं। सीरीज को दर्शकों से अच्छे रिवॉयस मिला था, एक्ट्रेस के काम की काफी तारीफ भी हुई थी। 23 फरवरी, 1994 को जन्मी तृप्ति डिमरी उत्तराखंड की रहने वाली हैं। एक्ट्रेस पिछले लंबे वक से बॉलीवुड से जुड़ी हुई हैं। तृप्ति अक्सर स्टार किड्स के साथ पार्टी करते हुए नजर आती हैं। णबीर के साथ थोड़े टाइम के लिए ही सही पर साथ काम करने के एक्सपीरियंस ने एक्ट्रेस ने कहा कि वह दोबारा रणबीर के साथ कोलाबोरेट करने की उम्मीद रखती हैं।



**BANK P.O.
&
CLERK,
MBA,
RLY.,
SSC.**

Paul Sir

रामा कोचिंग

**135, NEW CIVIC CENTER,
Bhilai Ph. 0788-6560005**

आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निमाता एवं विक्रेता

चिंतित ब्याज दर पर गिरवी रखी जा



विविधता रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

पुरुष नसबंदी पखवाड़ा का हो रहा आयोजन

रायगढ़। जिले में पुरुष नसबंदी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.आर.एन.मंडावी के निर्देशन में 11 दिसंबर तक पुरुष नसबंदी पखवाड़ा आयोजित किया जा रहा है। गांव-गांव में स्वास्थ्य विभाग के महिला पुरुष कार्यकर्ता के द्वारा मोर मितान मोर संगवारी के माध्यम से पुरुष नसबंदी पखवाड़ा को लेकर जागरूकता अभियान पखवाड़ा चलाया जा रहा है। पुरुष नसबंदी में मात्र 10 मिनट का समय लगता है। बिना चीरा, टांका के अपरेशन किया जाता है एवं नसबंदी के तुरंत बाद घर जा सकते है। पुरुष नसबंदी के पश्चात सामान्य कार्य प्रारंभ कर सकते है। पुरुष नसबंदी के कुछ दिन पश्चात हितग्राही के खाते में प्रोसाहन राशि के रूप में 3000 रुपये दिये जाते है एवं हर एक को 300 रुपये दिये जाते है पुरुष नसबंदी पखवाड़ा कार्यक्रम के अंतर्गत विकासखंड धरमजयगढ़ में 11, पुसौर में 2, तमनार में 2, घरघोड़ा में 9, लोईग में 9 एवं रायगढ़ शहरी क्षेत्र में 2 सहित जिले में अभी तक पुरुष नसबंदी 78 हो गया है परिवार नियोजन में पुरुष की भागीदारी को बढ़ावा देने और नसबंदी तरीको व उपयोग को बढ़ावा देने के सरकार के प्रयासो के क्रम को बढ़ाते हुए हर साल पुरुष नसबंदी पखवाड़ा मनाया जा रहा है। परिवार नियोजन में विकासखंड लैलूंगा में टी.टी, एल.एस., सी.एस अपरेशन के साथ महिला नसबंदी अब तक टी.टी 63 हुआ है। जिले के समस्त पात्र हितग्राही जिला अस्पताल, मेडिकल कालेज, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में जाकर अपना पूर्व पंजीयन करकार पखवाड़े को सफल बनाने में सहयोग प्रदान करें।

बैडमिंटन खेल के लिए बालक एवं बालिका खिलाडि़यों का चयन कर दिया जाएगा प्रशिक्षण

रायगढ़। भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा जिला-रायगढ़ में बैडमिंटन खेल के खेलो इण्डिया लघु केन्द्र प्रारंभ करने की स्वीकृति प्राप्त हुई है। जिसमें बैडमिंटन खेल हेतु बालक एवं बालिका खिलाडि़यों का चयन कर नियमित प्रशिक्षण दिया जाएगा। जिसके लिए 12 दिसम्बर को अपरान्ह 3 से शाम 5.30 बजे तक चयन ट्रायल रायगढ़ स्टेडियम बोर्डरदादर के बैडमिंटन हॉल में आयोजित किया जाएगा। उक्त चयन ट्रायल में 10 से 17 वर्ष तक के खिलाड़ी भाग ले सकते है। इच्छुक खिलाड़ी स्वयं की बैडमिंटन किट सहित नियत तिथि एवं समय पर चयन ट्रायल में भाग ले सकते हैं। इस संबंध में किसी प्रकार की अन्य जानकारी हेतु कार्यालय खेल एवं युवा कल्याण जिला-रायगढ़ में संपर्क कर सकते है।

एसडीएम ने सारबिला कैरियर अकादमी में युवाओं को प्रेरणा दी

सारंगढ़-बिलाईगढ़ । कलेक्टर डॉ. फ़ीहा आलम सिद्दीकी के निदेशन में सारबिला कैरियर अकादमी सारंगढ़ में एसडीएम बिलाईगढ़ डॉ. स्निधा तिवारी ने अभ्यर्थियों को कैरियर के संबंध में प्रेरणा (मोटिवेशन) दी। एसडीएम डॉ. तिवारी ने परीक्षा के संबंध में पूछे जाने वाले विविध प्रश्नों के संबंध में तर्कशक्ति को फ़ोकस करने के लिए युवाओं को कहा। साथ ही साथ उन्होंने कहा कि कैरियर निर्माण के दौरान समय की उपयोगिता को बढ़ावा देना अनिवार्य है। सामाजिक और वर्तमान भौगोलिक दुनिया के रीति रिवाज तीज-त्थौहार मेला पारिवारिक एवं रिश्तेदारों की शादी जैसे कार्यक्रमों में समय बर्बाद नहीं करना है। आवश्यकतानुसार पढ़ाई को महत्व देना है। डॉ. तिवारी ने पिछले वर्षों में पूछे गए प्रश्नों के संबंध में किस प्रकार प्रश्न का चयन हुआ था और अब किस प्रकार के प्रश्न आ रहे हैं, उनको विस्तार से समझाया। उन्होंने कहा कि आर्थिक सर्वेक्षण, घटना चक्र, लुसेंट की पढ़ाई कर स्वयं अपने तैयारी का जांच करें। उल्लेखनीय है कि सारबिला कैरियर अकादमी में व्यापम, सीजीपीएससी सहित मेडिकल-डॉक्टरी (नीट) और इंजीनियर (जेईई) की परीक्षाओं में चयनित होने के लिए तैयारी कराई जाती है।

सौर परियोजनाओं को विकसित करने एसईसीएल ने बढ़ाया कदम

कोरबा । कोल इंडिया की अनुषंगी कंपनी एसईसीएल ने सौर परियोजनाओं को विकसित करने की योजना बनाई है। व्यवसाय का विस्तार और विविधता लाने यह नेट जीरो एनर्जी लक्ष्य हासिल करने की कंपनी की रणनीति का हिस्सा है। इसके तहत कोरबा जिले के कुसमुंडा क्षेत्र में 200 किलोवाट क्षमता की रूफटॉप सौर परियोजना शुरू की गई है। परियोजना के अंतर्गत वर्कशॉप में सोलर पैनल लगाए गए हैं। दुनिया की सबसे बड़ी कोयला कंपनी कोल इंडिया ने 2026 तक 3 हजार मेगावाट क्षमता की नवकरणीय ऊर्जा परियोजनाएं स्थापित कर नेट जीरो का महत्वकांक्षी लक्ष्य रखा है। कंपनी के कार्बन फुटप्रिंट को कम करने व सतत विकास को बढ़ावा देने व्यापक योजना तैयारी की गई है. इस कड़ी में हाल ही में जोहिला, जमुना कोतमा और कुसमुंडा क्षेत्रों में 580 किलोवाट क्षमता की रूफ टॉप सौर परियोजनाएं शुरू की गई हैं।

जिले में मूलभूत प्रशासनिक सुविधाओं को करें मजबूत - कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

गरियाबंद। जिले में विधानसभा निर्वाचन सम्पन्न होने के पश्चात आदर्श आचार संहिता समाप्त हो गया है। कलेक्टर आकाश छिकारा ने आज समय-सीमा की समीक्षा बैठक लेकर प्रशासनिक कार्यों और जनहित के कार्यों में प्राप्ति लाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि अधिकारी – कर्मचारी प्रशासन के कार्यों को गंभीरतापूर्वक करें और विभागीय कार्यों में प्राप्ति लायें।

कलेक्टर श्री छिकारा ने सभी अधिकारियों को कहा कि मूलभूत प्रशासनिक सेवाएं प्रदान करने के लिए सक्रियता और गंभीरता से काम किया जाये। जिससे जिलेवासी सभी शासकीय सेवाओं से आसानी से लाभान्वित हो। साथ ही निर्माण और विकास कार्यों में भी तेजी आये। जिन निर्माण कार्यों के लिए बजट स्वीकृत हो गई है, उनका निर्माण कार्य समय से शुरू किया जाये। तथा अपूर्ण निर्माण कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूर्ण कराये।कलेक्टर ने लोक सेवा गारंटी अधिनियम, जन



शिकायत,जनचौपाल,समय – सीमा, चैटबोट संवाद के माध्यम से प्राप्त आवेदनों के प्रकरणों का त्वरित निगरान करके निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि नीति आयोग द्वारा आंकाक्षी विकासखंड प्रोग्राम के तहत जिले के गरियाबंद एवं मैनपुर किया जाये। जिससे जिलेवासी सभी विकासखंडों का चयन किया गया है। इन विकासखंडों के लिए एक – एक फैलो की नियुक्ति की गई है। जो उनके नोडल रहेंगे और संबंधित जनपद में रहकर निर्धारित पैरामीटर के अनुसार दिये गये कार्यों में प्राप्ति लाएंगे। कलेक्टर ने स्वच्छ भारत मिशन के तहत प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेन्ट यूनिट की स्थापना ओडीएफ के लिए 100 परिवारों से कम बसाहट

वाले गांव की कार्ययोजना बनाकर 50 प्रतिशत गांवों को 30 दिसम्बर तक मॉडल गांव के रूप में विकसित करने के निर्देश दिये।इस अवसर पर वनमण्डाधिकारी मणीवासगन एस.उदंती सीतानदी टाइगर रिजर्व के उपनिदेशक वरूण जैन,जिला पंचायत के सीईओ रीता यादव,अपर कलेक्टर अविनाश भोई,संयुक्त कलेक्टर नवीन भगत, समस्त अनुविभागीय अधिकारी एवं जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

घर पहुंच पेंशन अभियान से जिले के 40 हजार से अधिक हितग्राहियों को घर बैठे मिला पेंशन की राशि,,,,कलेक्टर आकाश छिकारा के मार्गदर्शन में जिलेवासियों को मूलभूत

पशुओं को खुरहा-चपका रोग से बचने विशेष टीकाकरण अभियान शुरू



श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुरनगर। जिले में पशुओं को खुरहा-चपका रोग से बचने के लिए विशेष टीकाकरण अभियान 1 दिसम्बर से 15 जनवरी 2024 तक किया जा रहा है। उप संचालक पशु चिकित्सा सेवायें से प्राप्त जानकारी अनुसार विभाग के 57 दलों द्वारा टीकाकरण कार्य संपन्न किया जाएगा। जिले को 4,66,453 का लक्ष्य प्राप्त है, जिसमें समस्त गौवंशीय एवं भैसवंशीय पशुओं का एफ एम. डी. टीकाकरण चल रहा है। मुंहपका खुरपका रोग खुर-दो खुरों वाले पशुओं जैसे गाय, भैंस, भेड़, बकरी, हिरन, सुअर तथा अन्य जंगली पशुओं में होने वाला एक अत्यंत संक्रामक एवं घातक विषाणु जनित वायुकोशीय रोग है। गायों और भैंसों को खुरपका रोग काफी प्रभावित करता है। यह काफी तेजी से फैलने वाली एक संक्रामक बीमारी है। इसे

प्रभावित होने वाले जानवर में अत्याधिक तेज बुखार के साथ मुंह और खुरों पर छाले और घाव बन जाते हैं। रोग के असर के कारण कुछ जानवर स्थायी रूप से लंगड़ें भी हो सकते हैं। जिस कारण वे खेती में इस्तेमाल के लायक नहीं रह जाते। इसका संक्रमण होने के कारण गायों का गर्भपात हो सकता है, और कार्य भी बाधित हो जातें हैं। ऐसे में इस बीमारी का कोई निश्चित उपचार नहीं है, इसका बचाव ही इसका उपचार है। डॉ. ए. के. परकराम, उप संचालक पशु च्विकित्सा सेवायें जिला स्वास्थ्य, मेन्गीशियम, सोडियम, पोटेशियम आदि मृदा विलयन मे रहते है। यदि मृदा कोलाइड पर हाइड्रोजन आयन्स का सान्द्रण हाइड्रोजन ऑक्साइड से ज्यादा हो तो मृदा अम्लीय होती है और यदि हाइड्रोजन आयन्स का सान्द्रण कम हो तो मृदा क्षारीय होती है तथा बराबर समान संख्या होने पर मृदा अभिक्रिया उदासीन होती है। मृदा स्वास्थ्य का अर्थ मृदा के उन सभी प्रभावों से है जिनके आधार पर फसल का उत्पादन अच्छा हो सके और जिसमें पौधों की वृद्धि एवं विकास के सभी गुण उपस्थित हो तथा जीवों की संख्या और उनकी क्रियाशीलता आदर्श स्तर की हो। इन्ही वांछित गुणों के आधार पर मृदा स्वास्थ्य को निर्धारित करते हैं। मृदा स्वास्थ्य के आधार मृदा स्वास्थ्य का इसकी उर्वराशक्ति और उत्पादकता के सिद्धान्त के कारकों से सीधा संबंध होता है।

मृदा स्वास्थ्य-टिकाऊ खेती का आधार-डॉ. महंत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। विश्व मृदा दिवस का सन्देश-मृदा एवं जल जीवन का श्रोत है। कृषि विज्ञान केन्द्र के डॉ.के.डी.महंत ने जानकारी देते हुए बताया कि विश्व स्तर पर मिट्टी की रक्षा करने और किसानों की मदद करने के प्रयास में एफ़ओ ने चेतावनी दी कि हर पांच सेकंड में एक फुटबॉल पिच के बराबर पृथ्वी नष्ट हो जाती है। केवल कुछ सेंटीमीटर ऊपरी मिट्टी बनाने और भूमि की बहाली में मदद करने में भी लगभग एक हजार साल लग जाते हैं।

स्वस्थ्य मृदा का मतलब है कि मृदा में पौधों के लिए आवश्यक पोषक तत्वों (कार्बनिक पदार्थ) मुख्य एवं सूक्ष्म तत्व की भरपूर मात्रा एवं नमी रोकने की क्षमता हो। जिससे अधिक फसल उत्पादन लिया जा सके। उन्होंने बताया कि मृदा स्वास्थ्य आधार में पाँच सिद्धांत शामिल हैं जिनमें मृदा कवच, मिट्टी की अशांति को कम करना, पौधों की विविधता,निरंतर जीवित पौधा/पाद



और पशुधन एकीकरण। इन सिद्धांतों का उद्देश्य मृदा निर्माण प्रभाव को अधिकतम करते हुए सिस्टम दृष्टिकोण में लागू करना है। मृदा स्वास्थ्य पर्यावरणीय स्वास्थ्य, मानव स्वास्थ्य, पौधों के स्वास्थ्य और पशु स्वास्थ्य की अवधारणाओं के अनुरूप है। मानव स्वास्थ्य एक कार्यात्मक अवधारणा है जो हमारी कार्य करने की क्षमता, एक-दूसरे और हमारे पर्यावरण के साथ बातचीत करने और भविष्य में ऐसा करने की क्षमता का वर्णन करती है।

सेवाएं प्रदान करने के लिए जिले में विभिन्न हितग्राहीमूलक योजनाओं का क्रियान्वयन किया जा रहा है। कलेक्टर के विशेष पहल से घर पहुंच पेंशन राशि देने के लिए घर पहुंच पेंशन अभियान का भी संचालन किया जा रहा है। इसके माध्यम से पेंशन संगवारी द्वारा पिछले छः माह में 40 हजार 87 लोगों को घर पहुंचाकर पेंशन की राशि प्रदान किया गया है। इसके अंतर्गत बुजुर्गों एवं दिव्यांगजनों को उनके घर में ही पहुंचकर पेंशन की राशि बैंक सचियों के माध्यम से दिया जा रहा है। पेंशन के हितग्राहियों को घर पहुंच पेंशन मिलने से उन्हें पेंशन लेने के लिए दूर जाने की जरूरत नहीं पड़ी और आसानी से पेंशन की राशि घर पहुंच मिल गई। जिससे बुजुर्गों एवं दिव्यांगजनों को काफी राहत मिली है।

पिछले छः माह में 89 हजार से अधिक लोगों का बना आयुष्मान कार्ड –कलेक्टर के विशेष पहल से लोगों का आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए विशेष अभियान चलाया गया। पिछले छः माह में विशेष विधियों के माध्यम से 89 हजार 408 लोगों का आयुष्मान कार्ड पंजीयन किया गया।

कैट ने पीयूष गोयल से एफडीआई नीति में अस्पष्टता दूर करने का किया आग्रह

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर।देश के सबसे बड़े व्यापारिक संगठन कन्फेडरेशन ऑफऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमर पारवानी, चेयरमैन मंगेलाल मालू, अमर गिदवानी, प्रदेश अध्यक्ष जितेन्द्र दोशी, कार्यकारी अध्यक्ष विक्रम सिंहदेव, परमानन्द जैन, वाशु माखीरा, महामंत्री सुरिन्द्र सिंह, कार्यकारी महामंत्री भरत जैन, एवं कोषाध्यक्ष अजय अग्रवाल ने बताया कि केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल को आज भेजे गए एक पत्र में, कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने विदेशी ई-कॉमर्स कंपनियों को अप्रत्यक्ष रूप से इन्वेंट्री ई-कॉमर्स में शामिल होने से रोकने का आग्रह किया है, जो एफ्डीआई नीति द्वारा सख्ती से प्रतिबंधित है। भारत की एफ्डीआई नीति ने भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ यानी छोटे और पारंपरिक व्यापारियों के हितों की रक्षा करने और उन्हें बड़े विदेशी कंपनियों द्वारा विस्थापित होने से रोकने के



लिए मल्टी ब्रांड रिटेल ट्रेड (एमबीआरटी) में एफ्डीआई को हमेशा प्रतिबंधित किया है और इसीलिए इन्वेंट्री ई-कॉमर्स में एफ्डीआई को प्रतिबंधित किया है। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री अमर पारवानी एवं प्रदेश अध्यक्ष श्री जितेन्द्र दोशी ने कहा कि भारत को दुनिया के साथ तालमेल बनाए रखने में मदद करने के लिए, 2013 में पहली बार एमबीआरटी (सरकारी मार्ग के माध्यम से) में 51 प्रतिशत एफ्डीआई की अनुमति दी गई थी। उसी को आगे बढ़ाते हुए, 2016 के प्रेस नोट 3 के माध्यम से ई-कॉमर्स के मार्केटप्लेस मॉडल में 100

निजी अस्पतालों की मनमानी पर नकेल प्रदेश सरकार ला रही नया कानून, शीतकालीन सत्र में पेश किया जाएगा विधेयक



चंडीगढ़ (एंजेंसी)। हरियाणा में निजी अस्पतालों की बढ़ रही मनमानी पर लगाम लगाने के लिए प्रदेश सरकार नया कानून ला रही है। इसके तहत हरियाणा में अब पूरा बिल अदा नहीं करने पर निजी अस्पताल मरीज के शव को परिजनों को देने से इंकार नहीं कर सकेंगे। अगर कोई ऐसा करेगा तो उसके लिए उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई का प्रावधान होगा। इस संबंध में हरियाणा सरकार ने हरियाणा मृत शरीर सम्मान विधेयक 2003 का ड्राफ्ट तैयार किया है। संभावना है कि 15 दिसंबर से शुरू होने वाले विधानसभा के शीतकालीन सत्र में इस विधेयक को पेश किया जाएगा। इसके अलावा शव को सड़क पर रखकर जाम लगाने वालों के खिलाफभी इसमें कार्रवाई का प्रावधान होगा।

यही नहीं, अगर परिजन राजी नहीं होते तो पुलिस और प्रशासन मिलकर शव का अंतिम संस्कार कराएंगे ताकि सड़क पर मृत देह की बेकद्री न हो। इससे ट्रैफिक जाम होने की मुश्किल से भी लोगों को निजात मिलेगी। बता दें कि इस

विधेयक को लेकर गृह मंत्री अनिल विज ने आपत्ति उठाई थी कि पहले इस कानून को जिन राज्यों ने लागू किया, वहां इसके फयदे वगैरह देख लेने चाहिए। इसके बाद ड्राफ्ट में कुछ संशोधन किए जा रहे हैं।

इस विधेयक को लाने के पीछे की मंशा मृत शरीर की गरिमा को सुनिश्चित करना है। सरकार का मानना है कि किसी की मौत होने पर उसके शरीर की गरिमा को ठेस पहुंचाना कानूनी तौर पर गलत है। हरियाणा में निजी अस्पतालों के कई मामले सामने आ चुके हैं, जिसमें बिल पूरा नहीं देने पर मरीज के शव को कब्जे में लेते हैं। इसी प्रकार, काफी संख्या में ऐसे मामले सामने आ रहे हैं कि परिजन शव को लेकर सड़कों पर जाम लगा देते हैं। इन तमाम मामलों से निपटने के लिए सरकार नया कानून ला रही है।

स्वचालित मार्ग के तहत है। इसके अलावा, किसी निर्माता को भारत में निर्मित अपने उत्पादों को सरकारी मंजूरी के बिना, ई-कॉमर्स सहित थोक और/या खुदरा माध्यम से बेचने की अनुमति है।'

जबकि 5.2.5.2 व्यापार क्षेत्र पर एफ्डीआई नीति प्रावधानों के बावजूद, भारत में निर्मित और/या उत्पादित खाद्य उत्पादों के संबंध में ई-कॉमर्स सहित खुदरा व्यापार के लिए सरकारी अनुमोदन मार्ग के तहत 100 प्रतिशत एफ्डीआई की अनुमति है। श्री पारवानी और श्री दोशी दोनों ने कहा कि 5.2.15.2.3 के अनुसार, यह स्पष्ट है कि इन्वेंट्री ई-कॉमर्स में एफ्डीआई सख्ती से और स्पष्ट रूप से प्रतिबंधित है। 5.2.5.1 के अनुसार, एक निर्माता (जो स्वयं माल का उत्पादन करता है) के लिए स्वचालित मार्ग के तहत एफ्डीआई की अनुमति है और केवल निर्माता को ई-कॉमर्स सहित थोक और खुदरा के माध्यम से अपना माल (भारत में उसके द्वारा निर्मित) बेचने की अनुमति है। लेकिन विरोधाभास 5.2.5.2 द्वारा निर्मित किया गया है।

रिक्त पदों के भर्ती के लिए लिखित परीक्षा 10 को

महासमुंद्र । जिला विधिक सेवा प्राधिकरण महासमुन्द्र (छ०ग०) के अन्तर्गत रिक्त कार्यालय सहायक/क्लर्क एवं रिसेप्शनिस्ट –सह-डाटा एण्ट्री ऑपरैटर (टाईपिस्ट) के पदों पर सीधी भर्ती किए जाने के लिए 10 दिसम्बर 2023 रविवार को प्रथम भाग की लिखित परीक्षा आयोजित की गई है। उक्त प्रथम भाग की लिखित परीक्षा हेतु अभ्यर्थियों की अंतिम सूची, प्रवेश पत्र तथा परीक्षा कार्यक्रम की जानकारी जिला न्यायालय महासमुन्द्र के वेबसाईट पर अपलोड कर दिया गया है। अभ्यर्थी अपना प्रवेश पत्र जिला न्यायालय महासमुन्द्र के वेबसाईट से डाउनलोड कर सकते हैं। पृथक से किसी भी अभ्यर्थी को प्रवेश पत्र प्रेषित नहीं किया जाएगा। लिखित परीक्षा हेतु अभ्यर्थी जिला न्यायालय महासमुन्द्र के वेबसाईट से प्रवेश पत्र प्राप्त कर सकते हैं। लिखित परीक्षा की अधिक जानकारी एवं प्रवेश पत्र के लिए जिला न्यायालय महासमुन्द्र के वेबसाईट पर अवलोकन कर सकते हैं।

Jaquar Roca *Pureware* **AAJAY FLOWLINE**

Shri Vijay Enterprises

Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.

Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR

House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories

Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai

Mo.9300771925, 0788-4030919

K. Satyanarayan

SAIRAM

Mobile Accessories

मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है

7000415602

Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES

FURNITURE PALACE

Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture

Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स

जॉस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गार्मेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन

एक बार अवश्य पधारें

गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY

Gifts • Toys • Cosmetics
Perfumes • Sia Jewellery

Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727

Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास खबर



विशेष अभियान: रायपुर पुलिस ने 243 बदमाशों को मेजा जेल

रायपुर। अपराधों की रोकथाम, अपराधियों पर नकेल कसने सहित सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था के मद्देनजर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रशांत अग्रवाल ने सभी अधिकारियों और थाना प्रभारियों को सक्रिय गुण्डा-बदमाशों, अड्डेबाजों एवं अपराधिक तत्वों सहित संदिग्धों पर कार्यवाही करने के सख्त निर्देश दिये हैं। इस आदेश के तारतम्य में 5 दिसंबर को रायपुर पुलिस के समस्त अधिकारियों के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारियों सहित पुलिस बलों द्वारा अपने-अपने अनुभाग के थाना क्षेत्रों में सक्रिय गुण्डा बदमाश, निगरानी बदमाश, संदिग्ध व्यक्ति, असमाजिक तत्वों एवं अपराधों में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाने के साथ ही थाना क्षेत्रों में निवासरत् गुण्डा/निगरानी बदमाशों एवं अपराधिक तत्वों को थानों में तलब कर उनकी परेड़ ली गई। अभियान कार्यवाही के आज 10 आरोपियों के विरुद्ध आबकारी एक्ट, 12 आरोपियों के विरुद्ध आर्म्स एक्ट, 4 आरोपियों के विरुद्ध जुआ एक्ट तथा 183 आरोपियों के विरुद्ध प्रतिबंधात्मक धाराओं के तहत कार्यवाही करने के साथ ही विभिन्न अपराधों के 16 स्थायी वारंट एवं 18 गिरफ्तारी वारंट की तामिली की गई। इस प्रकार कुल 243 आरोपियों के विरुद्ध कार्यवाही कर उन्हें जेल भेजा गया। इसके साथ ही रायपुर पुलिस के समस्त पुलिस राजपत्रित अधिकारियों व थाना प्रभारियों सहित, क्राइम प्रिवेंशन पेट्रोलिंग (सीपीपी) व 112 की टीमों द्वारा थाना क्षेत्रों में पेट्रोलिंग कर भीड़-भाड़ वाले स्थान, सार्वजनिक स्थान/सूतसान स्थान में जमवाड़ा लगाकर नशा करने वालों, गुटबाजी/अड्डेबाजी करने वालों, संदिध व्यक्तियों, असमाजिक तत्वों, संदिध व्यक्तियों के वाहनों की डिकी, धारदार/बटनदार चाकू/खंजर धूमने वालों सहित आम स्थानों पर शराब पीने, शराब पीने हेतु स्थान उपलब्ध कराने, सार्वजनिक मैदान, पार्क, चौक-चौराहों एवं सार्वजनिक स्थान पर चार पहिया वाहन के अंदर बैठकर शराब पीने वालों की चेकिंग करने के साथ ही बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, रेलवे ट्रैक के आसपास, होटल, लॉज एवं ढाबों की भी चेकिंग की जा रही है। इसके साथ ही होटल, ढाबा एवं अन्य दुकानो को निर्धारित समयावधि में बंद कराया जा रहा हैं।

नगदी-सट्टापट्टी के साथ सटोरिया गिरफ्तार

रायपुर। जुआ सट्टा के खिलाफ कार्रवाई करते हुए रायपुर की गोलबाजार थाना पुलिस ने एक सटोरिया को गिरफ्तार किया है। 4 दिसंबर को थाना गोलबाजार पुलिस की टीम ने पूतम शूज गली मालवीय रोड के पास सट्टा संचालित करते सटोरिया अब्दुल हातिम को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से नगदी रकम 11,570/- रूपये एवं सट्टा-पट्टी जब्त किया। थाना गोलबाजार में अपराध क्रमांक 322/23 धारा 6 छ.ग. जुआ प्रतिषेध अधिनियम के तहत का अपराध पंजीबद्ध कर आरोपी के विरुद्ध कार्रवाई की गई।

हादसा: फ्रिज के कंप्रेसर फटने से 2 मंजिला इमारत में लगी आग, ब्लास्ट के वक्त घर पर मौजूद थे लोग

कोरबा (ए)। कोरबा के कोतवाली थाना क्षेत्र में श्याम मंदिर के पास एक मकान के दूसरे माले में भीषण आग लग गई, जिससे हड़कंप मच गया। घटना की सूचना दमकल वाहन को दी गई। फायर ब्रिगेड की टीम ने आग पर काबू पा लिया है। बताया जा रहा है कि आग फ्रिज के कंप्रेसर फटने की वजह से लगी है।

मिली जानकारी के मुताबिक आशा देवी शर्मा अपने दो बेटा, बहू और उसके बच्चों के साथ निवास करती हैं। मंगलवार की शाम 6 बजे घर में लगभग आशा शर्मा और उसकी बहू और बच्चे मौजूद थे। दोनों बेटे किसी काम से बाहर गए हुए थे। इसी दौरान



टांगी के वार से गहरे निशान दिखाई दे रहे थे। गांव के ग्रामीणो ने हत्या की घटना से काफ़ू पुलिस को अवगत कराया। जिसके बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिये

भेजते हुए पूरे मामले को जांच में ले लिया है। बताया जा रहा है कि अज्ञात आरोपित द्वारा हत्या की इस वारदात को अंजाम दिया गया है। प्रारंभिक जांच के बाद काफ़ू पुलिस के अनुसार हत्या का यह मामला जमीन व अवैध संबंध में विवाद के कारण हो सकता है। बहरहाल काफ़ू पुलिस आरोपित के गिरेबान तक पहुंचने गांव के ग्रामीणों से पूछताछ कर रही है। पुलिस के अनुसार जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। वहीं पूरे घटनाक्रम से जानकारी पत्रकार वार्ता में देने की बात कही जा रही है।

अचानक किचन पर रखे फ्रिज का कंप्रेसर फट गया और भीषण आग लग गई। बताया जा रहा है कि कंप्रेसर फटने की आवाज इतनी जबरदस्त थी कि पूरा परिवार बाहर भाग खड़ा हुआ। लोगों ने आग की सूचना 112 और दमकल वाहन को दी। घटना की सूचना के बाद मौके पर नगर निगम, सीएसईबी, बालको समेत पांच दमकल वाहन की मदद से आग पर काबू पाया गया। जिला अग्नि समन अधिकारी पीबी सिदार ने बताया कि नगर सेना की दमकल वाहन मौके पर पहुंची थी, आग पर काबू पा लिया गया है। फिलहाल कोई जनहानि की खबर नहीं है। सभी लोग सुरक्षित हैं।

सेक्टर-6 एवं रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026,
8962815243

दुल्हन बैंगल्स & फैसी
RUPESH KUMAR
Mob.-9840760388
7987759030
Specialist : Wedding mix match bangles, Glass bangle, Plastic bangle. Saree pin, Bindis, Rubber Band. Bracelet, Butter Fly, Bar ring and many more
कृष्णा टाकिज रोड, रिसाली, भिलाई
जलाराम मिष्ठान के सामने, इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाइट मिलने का एक मात्र स्थान
कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारें...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले, पापड़, आचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षों से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge
Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Colour etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | **302443750, 9907127357**
Rakesh Sahu
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

रायगढ़ में डबल मर्डर का खुलासा, बॉयफ्रेंड ने की थी महिला व बच्चे की हत्या, भिलाई से पकड़ाया आरोपी

पुलिस से बचने मुंबई भागा, पुणे होते हुए भिलाई पहुंचकर प्रियदर्शिनी परिसर में रह रहा था आरोपी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। एक सप्ताह पहले रायगढ़ जिले के बिलासपुर-झारसुगुडा नेशनल हाईवे पर 27 नवंबर को ग्राम नेतनागर के पैरावट में मिली अधजले महिला व बच्चे की लाश का मामला पुलिस ने सुलझा लिया है। पुलिस ने इस मामले में कांतिल को गिरफ्तार कर लिया है। हत्या करने वाला कोई और नहीं बल्कि महिला का बॉयफ्रेंड ही निकला। घटना के 8 दिन बाद पुलिस ने इस मामले का खुलासा किया है। पुलिस ने हत्या करने वाले महिला के बॉयफ्रेंड सूरज गुप्ता को भिलाई से गिरफ्तार किया।



बार बार से झगड़े से तंग आकर की थी हत्या

पूछताछ में आरोपी सूरज गुप्ता वि हिमालया हाइट्स, देवपुरी रायपुर का निवासी है और फिलहाल शांति नगर बिलासपुर रहता था। उसने क्लाइंट के रूपों की धोखाधड़ी कर रायपुर में काम बंद कर कंपनी में काम करने वाली विवाहिता महिला निधि औसरिया और उसके बेटे पार्थ के साथ बिलासपुर में रहने लगा। आरोपी ने बताया कि बिलासपुर में आने के बाद दोनों के बीच अक्सर विवाद होता था। 25 नवंबर को भी उनके बीच विवाद हुआ और गुस्से में सूरज ने हथौड़े से निधि के सिर पर ताबड़तोड़ कई बार वार किया। इसके बाद उसका गला दबाकर मार दिया। निधि की हत्या के बाद उसने बच्चे की भी जान ले ली। इसके बाद शव ठिकाने लगाने उसने पेट्रोल, प्लास्टिक व अन्य सामान की व्यवस्था की। 26 नवंबर की सुबह दोनों लाश को एक्सयूवी कार के डिब्बे में डालकर रायगढ़ की ओर निकाला। नेतनागर में उसने पैरावट देखी और देर रात शव को जलाकर वापस अपने घर लौटा और कार पार्च पर खड़ी कर रफूचककर हो गया।

थाना प्रभारी जूटमिल के नेतृत्व में एक टीम ह्यूमन इंटर के जरिये आरोपी का पता लगा रही थी। इस दौरान पुलिस को अहम सुराग मिला।

सफेद कार की तलाश से पहुंची आरोपी तक

पुलिस को ग्रामीणों ने बताया कि एक सफेद रंग की कार घटनास्थल के आसपास देखा गया था। इसके बाद पुलिस उस सफेद रंग की कार की तलाश में लग गई। इसके बाद नेशनल हाईवे और नेतनागर के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज जांचा गया जिसमें संदिग्ध

सफेद कलर की महिंद्रा एक्सयूवी कार टोल नाके पर लगे सीसीटीवी और बैरियर में दिखाई दी। एक्सयूवी कार की जानकारी आरटीओ से जुटाने पर पता चला कि उक्त कार विभा गुप्ता पति सूरज गुप्ता निवासी रायपुर का है। इसके बाद पुलिस की एक टीम रायपुर पहुंची। रायपुर में पुलिस को पता चला कि कार का उपयोग सूरज गुप्ता कर रहा था, जो पिछले कुछ समय पूर्व अपनी कंपनी में धोखाधड़ी कर कंपनी में काम करने वाली विवाहित महिला निधि औसरिया (28) और उसके बच्चे पार्थ (5) के साथ रायपुर से बाहर कहीं रहता है।

मुंबई भाग गया था संदेही, भिलाई में पकड़ाया

मोबाइल लोकेशन से पता चला कि संदेही सूरज गुप्ता पुलिस से बचने हुए मुंबई भाग चुका था। इसके बाद एक टीम को पुणे रवाना किया गया। इस दौरान संदेही सूरज गुप्ता पुलिस को गुमराह करने अपना मोबाइल बंद-चालू कर रहा था। अंततः संदेही का मोबाइल लोकेशन दुर्ग-भिलाई मिला। इसके बाद पुलिस की टीम भिलाई पहुंची जहां सूरज गुप्ता अपनी पहचान छिपा कर प्रियदर्शिनी परिसर में पीजी बनकर रह रहा था। पुलिस ने सूरज गुप्ता को हिरासत में लिया और रायगढ़ लेकर पहुंची। पूछताछ में उसने सारी सच्चाई बता दी। पुलिस ने आरोपी सूरज गुप्ता के पास से मुक्तिका औसरिया के 8 लाख के सोने चांदी के जेवरत, ढाई लाख रुपए नगदी और एक्सयूवी 700 कार की जब्त किया। इस पूरे मामले को सुलझाने में प्रशिक्षु डीएसपी अमन लखीसरानी, थाना प्रभारी जूटमिल रामकिंकर यादव, सहायक उप निरीक्षक भागीरथी चौधरी, शशिदेव भोय, प्रधान आरक्षक राजेश पटेल, दुर्गा सिंह, बृजलाल गुर्जर आरक्षक विकास सिंह, धनंजय कश्यप, महेश पंडा, नवीन शुक्ला, रविंद्र गुप्ता, प्रताप बेहरा, पुर्षेन्द्र जाटवार, प्रशांत पंडा, नरेश रजक, कान्हा पौर्ते, परमानंद पटेल, तारीक अनवर, धर्नुजय बेहरा, विनय तिवारी, लखेश्वर पुरसेठ, शशिभूषण साहू, छबल के आरक्षक सुदर्शन पांडे, महिला आरक्षक मेनका चौहान की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।



सीसी टीवी फुटेज का पीछा कर पुलिस पहुंची ठिकाने पर

संदिग्ध एक्सयूवी कार की गतिविधियों को चेक कर रही टीम ने एक्सयूवी कार को अकलतरा से आगे बढ़ते बिलासपुर की ओर देखा गया। एक्सयूवी बिलासपुर शहर से बाहर कहीं और नहीं देखी गई। इसके बाद सीएसपी अभिनव के नेतृत्व में पुलिस टीम बिलासपुर पहुंचकर संदेही सूरज गुप्ता की पतासाजी में जुट गई। बिलासपुर शहर के सीसीटीवी फुटेज चेक करती हुई पुलिस की टीम शांतिनगर पहुंची। यहां एक मकान में कार मिल गई। मकान मालिक से पूछताछ करने पर पता चला कि सूरज गुप्ता यहां निधि औसरिया व उसके बच्चे के साथ रहता है लेकिन कुछ दिनों वे नहीं दिख रहे हैं।

फेसबुक में मिली फिली फोटो से पहचान पुख्ता

पुलिस टीम सूरज के साथ रहने वाली निधि औसरिया का फेसबुक अकाउंट चेक किया गया निधि के फोटोग्राफ्स में दाहिने कान में लॉन्ग (सोने का आभूषण) पहनी हुई थी, जले शव वाली महिला के कान पर भी इस तरह का आभूषण देखा गया था जिससे पुलिस ने यह माना कि जली हुई महिला निधि औसरिया उसके बच्चा पार्थ की हो सकती है। साइबर टीम की मदद से निधि के मोबाइल नंबर जांच में रखा गया जो कि अपरेट हो रहा था। पुलिस की टीम को निधि के मोबाइल नंबर के एनालिसिस पर पता चला कि मोबाइल पर और नंबर एक्टिव थे जिसे जांच करते हुए पुलिस ने लोकेशन लिया।

जानलेवा सेल्फी: मैनपाट के झरने से गिरी इंदौर से आई महिला, टूटा पैर और उखड़ा बायां कंधा

सरगुजा (ए)। इंदौर से मैनपाट घूमने के लिए परिवार के साथ पहुंची महिला सेल्फी लेने के चक्कर में दलदली झरने में फिसलकर नीचे खाई में गिर गई। करीब 25 फुट नीचे खाई में गिरते समय वह झाड़ियों से टकराते हुए नीचे गिरी, जिससे उसकी जान बच गई। चिकित्सक डॉ.संदीप भगत ने बताया कि नीचे गिरने से अर्द्धित का दायां पैर घुटने के नीचे से टूट गया है। बायां कंधा उखड़ गया है और अंदरूनी चोटें आई हैं। मैनपाट में प्राथमिक उपचार के बाद अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया है।

मिली जानकारी के मुताबिक इंदौर के निपनिया निवासी अर्द्धित गुप्ता (31 वर्ष) अपने पति राहुल गुप्ता एवं 4 वर्षीय पुत्र के साथ रायपुर रिश्तेदार के घर आई थीं। वहां से उन्होंने किराए की गाड़ी बुक की और घूमने के लिए मैनपाट पहुंचे। मंगलवार को पूरे दिन मैनपाट घूमने के बाद वे शाम को दलदली पहुंचे। दलदली में स्पोर्ट्स बाइक राइडिंग करते हुए वे झरने के पास पहुंच गए।

सेल्फी लेने के दौरान फिसला पैर

अर्द्धित गुप्ता दलदली झरने के पास अपनी सेल्फी कैमरे में कैद कर



रही थी। इस दौरान हुई बारिश के कारण गिली मिट्टी में उसका पैर फिसल गया और वह सोधे नीचे गिर गई। गिरने के दौरान वह झाड़ियों से टकराई, जिससे गिरने की रफ्तार कम हो गई। नीचे रेत में गिरकर वह गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना के दौरान मौके पर उसके पति, बच्चा व साथ आए टैक्सि के चालक के अलावे कुछ ही लोग थे।

महिला के गिरकर घायल होने की सूचना मैनपाट पुलिस को शाम करीब साढ़े पांच बजे मिली। मैनपाट थानेदार अशोक शर्मा के नेतृत्व में पुलिस बल मौके पर पहुंचा, तब तक पति और अन्य लोग मिलकर उसे एक किनारे तक

ले आए थे, जहां से उसे ऊपर चढ़ाया जा सके। महिला के पैर और कंधे पर गंभीर चोट है। पुलिस जवान उसे मोबाइल की रोशनी के सहारे निकालकर ऊपर तक लेकर आए।

मैनपाट पुलिस महिला को लेकर उपर आई तो एंबुलेंस भी मौके पर पहुंच गई। उसे स्ट्रेचर में बैठाकर एंबुलेंस तक लाया गया। मैनपाट सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में दाखिल कराया गया। डॉक्टरों ने इलाज के बाद अंबिकापुर मेडिकल कालेज रेफर कर दिया। घटनास्थल पर मौजूद लोगों ने बताया कि वह झाड़ियों से टकराते हुए नीचे गिरी, जिससे उसकी जान बच गई।

खास - खबर

शांत परिक्षेत्र के 100 मीटर दूरी तक तेज ध्वनि प्रतिबंधित

दुर्ग। उच्च न्यायालय, छत्तीसगढ़ बिलासपुर द्वारा पारित अन्तरिम आदेश के परिपालन में शिक्षण संस्थाओं की शैक्षणिक गतिविधियां, वृद्धजनों, निःशक्तजनों, बीमार व्यक्तियों के स्वास्थ्य तथा लोक शांति को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री पुष्पेंद्र कुमार मीणा ने कोलाहल अधिनियम-1985 की धारा 18 तथा ध्वनि प्रदूषण (विनियमन एवं नियंत्रण) नियम, 2000 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए जिला दुर्ग की सीमा के अंतर्गत समस्त शासकीय, अशासकीय हॉस्पिटल, समस्त शासकीय, अशासकीय शैक्षणिक संस्थान, जिला एवं सत्र न्यायालय तथा अन्य न्यायालय, धार्मिक संस्थाओं व समस्त शासकीय कार्यालय क्षेत्र के 100 मीटर की परिधि को शांत परिक्षेत्र (जॉस ऑफसाइलेंस) घोषित किया है। द नॉइज पॉल्यूशन रूल्स, 2000 के नियम 3(1) एवं 4(1) के तहत परिवेशीय ध्वनि पैमाने की सीमा दिन (सुबह 6 बजे से 10 बजे तक) एवं रात (रात्रि 10 बजे से 6 बजे तक) हेतु पृथक-पृथक एरिया निर्धारित किया गया है। जिसके अनुसार औद्योगिक क्षेत्र हेतु दिन के समय के लिए 75 डीबी एवं रात के समय के लिए 70 डीबी सीमा निर्धारित की गई है। इसी प्रकार वाणिज्यिक क्षेत्र हेतु दिन के समय के लिए 65 डीबी एवं रात के समय के लिए 55 डीबी, आवासीय क्षेत्र हेतु दिन के समय के लिए 55 डीबी एवं रात के समय के लिए 45 डीबी एवं शांत परिक्षेत्र हेतु दिन के समय के लिए 50 डीबी एवं रात के समय के लिए 40 डीबी सीमा निर्धारित किया गया है। आदेशानुसार शांति परिक्षेत्र- अस्पताल, शिक्षण संस्थाएं, न्यायालय, धार्मिक संस्थाएं आदि के 100 मीटर दूरी तक पटाखे फेड़ना, प्रेशर हॉर्न या म्यूजिकल हॉर्न या अन्य किसी प्रकार के साउण्ड एम्प्लीफायर का उपयोग प्रतिबंधित है। जिला दण्डाधिकारी का आदेश तत्काल प्रभावशील हो गया है एवं आदेश का उल्लंघन अधिनियम की धारा 15 के अधीन दण्डनीय है।

लॉटरी पद्धति से आवास आबंटन स्थगित

भिलाई। नगर निगम भिलाई द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी (एएचपी) किफायती आवास मोर मकान-मोर आस एवं मोर मकान-मोर चिन्हारी घटक अंतर्गत हितग्राहियों को लॉटरी पद्धति से निगम के मुख्य कार्यालय में 8 एवं 14 दिसम्बर को आवास आबंटन किया जाना था, जिसे अपरिहार कारणों से स्थगित किया जाता है।

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। ट्रैफिक नियमों की अनदेखी व नियम तोड़ने वालों पर सख्ती के लिए दुर्ग यातायात विभाग द्वारा समय समय पर नए प्रयोग किया जाता है। तकनीक के समय में अब ट्रैफिक पुलिस भी चालान काटने अब नया तरीका अपनाने जा रही है। ट्रैफिक रूल तोड़ने तोड़ने वालों का चालान काटने के लिए यातायात पुलिस अब जीपीएस कैमरों का इस्तेमाल करेगी। जीपीएस मैप कैमरे से लिये गये फ़ोटो के आधार पर नोटिस वाहन चालक के घर या वाट्सअप नंबर पर भेजा जाएगा।

यातायात पुलिस दुर्ग हमेशा से यातायात व्यवस्था बनाने के लिए आधुनिकरण का उपयोग करते आ रही है। इसी कड़ी में अब चालान काटने जीपीएस मैप कैमरा के उपयोग किया जाएगा। जीपीएस कैमसे से चालानी कार्रवाई करने से वाद विवाद की स्थिति निर्मित नहीं होगी एवं पारदर्शिता बने रहेगी। दुर्ग एसपी

यातायात पुलिस दुर्ग हमेशा से यातायात व्यवस्था बनाने के लिए आधुनिकरण का उपयोग करते आ रही है। इसी कड़ी में अब चालान काटने जीपीएस मैप कैमरा के उपयोग किया जाएगा। जीपीएस कैमसे से चालानी कार्रवाई करने से वाद विवाद की स्थिति निर्मित नहीं होगी एवं पारदर्शिता बने रहेगी। दुर्ग एसपी



02-Dec-2023 10:40:52 am
136° SE
Durg Bypass
Pushpak Nagar
Durg Division

रामगोपाल गंग द्वारा जिले की यातायात व्यवस्था को लेकर निरंतर कार्य किया जा रहा है। एसपी के निर्देश पर ही इस नई व्यवस्था को लागू किया जा रहा है। बता दें अब तक दुर्ग ट्रैफिक विभाग द्वारा नियम तोड़ने वालों पर मेनुआली चालान काटती रही है।

अब तक मेनुअली काटा जाता था चालान

यातायात डीएसपी सतीश ठाकुर ने बताया कि यातायात पुलिस दुर्ग द्वारा बिना हेल्मेट वाहन चलाने वाले, दो पहिया वाहन में तीन सवारी, नाबालिक द्वारा वाहन चालन, मोडिफ़ाई सायलेंसर, गलत नंबर प्लेट, माल वाहक में सवारी ले जाना ऐसे वाहन चालकों का जीपीएस मैप कैमरा के माध्यम से फोटो खींचकर वाहन नालिका को नोटिस जारी किया जाएगा। चालान मिलने के तीन दिन के भीतर वाहन मालिक को नेहरु नगर यातायात मुख्यालय आकर उक्त संबंध में अपना पक्ष रख कर चालान का भुगतान करना होगा। जो मामले मुख्यालय से नहीं सुलझेंगे उसे कोर्ट से सुलझाया जाएगा।

जीपीएस से चालान भेजने के यह हैं लाभ

- जीपीएस कैमरा से फोटो लेने पर फोटो में लोकेशन, दिनांक, समय, वाहन नंबर एवं वाहन चालक द्वारा कौन से यातायात नियम का उल्लंघन किया है वलीयर हो जाता है।
- वाहन चालक को कार्यवाही स्थल पर ज्यादा देर रोकने की आवश्यकता नहीं पड़ती।

- वाहन नंबर से वाहन मालिक का डिटेल निकालकर घर नोटिस भेजा जाता है।
- कार्यवाही के दौरान वाहन मालिक मुकर नहीं सकता।
- जीपीएस मैप कैमरा के उपयोग से कार्यवाही स्थल पर वाद विवाद की स्थिति निर्मित नहीं होगी एवं पारदर्शिता बने रहेगी।
- पुलिस के सभी स्टॉफ़ निरीक्षक से आश्चर्य तक सभी उपयोग कर सकते है।

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व विभाग (सीएसआर) द्वारा भारतीय कुत्रिम अंग निर्माण निगम (एलिम्को) के सहयोग से 04 दिसम्बर 2023 को बीएसपी के मानव संसाधन विकास विभाग में आयोजित कार्यक्रम में चिन्हाकित दिव्यांगजनों को सहायक उपकरणों का वितरण किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में संयंत्र के निदेशक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता उपस्थित थे।

कार्यक्रम में संयंत्र के कार्यपालक निदेशक अंजनी कुमार, कार्यपालक निदेशक ए के चक्रवर्ती, कार्यपालक निदेशक, डॉ ए के पंडा, कार्यपालक निदेशक समीर स्वरूप, कार्यपालक निदेशक पवन कुमार, कार्यपालक निदेशक बी के गिरी तथा मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रभारी डॉ एम रविन्द्रनाथ उपस्थित थे। इसके अतिरिक्त संयंत्र के मुख्य महाप्रबंधक प्रभारीगण, मुख्य महाप्रबंधक, महाप्रबंधक तथा अन्य वरिष्ठ

अधिकारियों सहित वरिष्ठ नागरिक और लाभार्थी दिव्यांगजन भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का औपचारिक रूप से उद्घाटन कर, संयंत्र के निदेशक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता ने कार्यपालक निदेशकों के साथ मिलकर 15 लाभार्थियों दिव्यांगजनों को ट्राइसाइकिल, मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल, स्मार्ट केन, स्मार्टफोन, नौ ब्रेस और श्रवण यंत्र सहित कई सहायक उपकरण वितरित किए। परीक्षण शिविर में भिलाई और आसपास के क्षेत्रों के चिन्हाकित 311 दिव्यांगजनों को सहायक उपकरणों का वितरण किया जाएगा।

संयंत्र के निदेशक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता ने इस सकारात्मक पहल का हिस्सा बनने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि इस पहल से दिव्यांगजनों को बीएसपी के सीएसआर विभाग द्वारा और उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि दिव्यांगों को रोजमर्रा की जिंदगी में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, हालांकि तकनीकी प्रगति ने दिव्यांगजनों को विभिन्न सुविधाएं प्रदान की है। सामाजिक कल्याण की दिशा में

यह संयंत्र का सार्थक प्रयास है। हम सभी को दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर जीवन व्यतीत करने में सहायता प्रदान करने के लिए सामूहिक रूप से प्रयास करना चाहिए। कार्यपालक निदेशक (कार्मिक एवं प्रशासन) पवन कुमार ने भी बीएसपी के सीएसआर विभाग द्वारा क्षेत्र के जरूरतमंद दिव्यांग व्यक्तियों के कल्याण हेतु चलाए जा रहे इस पहल पर अपनी अंतर्दृष्टि साझा की। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक (टीएसडी एवं सीएसआर) जे वाई सपकले ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन सीएसआर विभाग की कार्मिक श्रीमती रजनी राजक ने किया तथा महाप्रबंधक शिवराजन नायर ने धन्यवाद जातिप किया।

सेल ने देश भर में फैले अपने विभिन्न इकाइयों और यूनिट संस्थानों के माध्यम से बड़ी संख्या में दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण वितरित किए। विदित हो कि बीएसपी के सीएसआर विभाग द्वारा एलिम्को के सहयोग से दिव्यांगजनों व वरिष्ठजनों को सहायक उपकरणों के वितरण हेतु भिलाई और आसपास के विभिन्न स्थानों पर सितंबर, 2023 में निःशुल्क परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया था।

भिलाई 3 के उमदा हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में लावारिस मिला नवजात बालक शिशु, आईसीयू में भर्ती



श्रीकंचनपथ न्यूज

वाहन वहां पहुंची। नवजात बालक शिशु को सुपेला के शास्त्री अस्पताल रवाना किया गया। यहां से उसे जिला अस्पताल दुर्ग भेजा गया। जहां आईसीयू में शिशु को भर्ती किया गया है। मामले में भिलाई-3 टीआईआई मनीष शर्मा ने बताया कि नवजात बालक शिशु को जन्म देने वाली माता का पता लगाया जा रहा है। इसके लिए उमदा हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी और इसके आसपास रहने वालों से पूछताछ की जा रही है।

उमदा नाला के पास मिला था पांच माह का भ्रूण

आज जिस जगह पर नवजात बालक शिशु लावारिस हालत में मिला, उसके कुछ दूरी पर ही पीएम आवास कॉलोनी के पीछे उमदा नाला में बोते 30 अक्टूबर को लगभग 5 महीने का भ्रूण मिला था। उस मामले में थाना भिलाई-3 पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ धारा 318 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर लिया है। 30 अक्टूबर को पीएम आवास उमदा निवासी दुर्गा सेन पति राजेश सेन (35 वर्ष) ने पुलिस को भ्रूण के संबंध में सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए शासकीय अस्पताल सुपेला भेज दिया। रिपोर्ट में डॉक्टर ने नवजात व अविकसित शिशु के भ्रूण की उम्र 3 से 5 माह बताई थी।

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। निगम क्षेत्र के आवास एवं व्यवसायिक भवनों में अमृत मिशन योजना के तहत लगे वैध एवं अवैध नल कनेक्शन की घर घर सर्वे कर निगम जांच करेगी तथा अवैध कनेक्शन को वैध करने की कार्यवाही की जाएगी वहीं लंबे समय से जलकर की राशि जमा नही करने वाले भवन मालिकों के विरुद्ध नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 में उल्लेखित प्रावधान के अनुसार कार्यवाही की जाएगी।

अयुक्त रोहित व्यास के निर्देश पर जल प्रभारी अधीक्षण अभियंता संजय शर्मा ने निगम सभागार में जलकार्य विभाग के अभियंताओं एवं जलकर वसूली करने वाली एजेंसी के साथ बैठक कर निर्देशित किए है कि संपूर्ण निगम क्षेत्र में 91129 नल कनेक्शन किए गए है। जिसमें से संपत्तिकर आईडी में 48 हजार नल



कनेक्शन का ही उल्लेख है। जिसके कारण निगम को जलकर की राशि प्राप्त नहीं हो रही है। इसके अलावा जिनके यहां वैध कनेक्शन है ऐसे हितग्राही स्वयं का बोर होने, पानी कम आने के नाम पर जलकर की राशि का भुगतान नहीं कर रहे है। उन्होंने निगम के अभियंताओं तथा एजेंसी के प्रतिनिधियों से बैठक में कहा कि जल्व ही जोनवार एवं वार्डवार घर घर सर्वे कर अवैध नल कनेक्शन व जलकर जमा नहीं करने वालों को चिन्हित किया जाना है। सर्वे के दौरान प्रपत्र में इस बात स्पष्ट

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दो दिवसीय लर्निंग फ्रॉम इच अदर (लियो) कार्यशाला का 05 दिसंबर, 2023 को भिलाई निवास में उद्घाटन किया गया। इस कार्यशाला का आयोजन सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के सिंटर प्लांट विभाग व मानव संसाधन विभाग द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है। कार्यशाला का विषय रिडक्शन ऑफ सिंटर रिटर्न फ़ाइन्स-मुद्दे और अवसर है। कार्यपालक निदेशक (वर्क्स) अंजनी कुमार इस कार्यशाला के मुख्य अतिथि थे। निदेशक प्रभारी (बीएसएल एवं आरएसपी) अतनु भौमिक ने भी इस कार्यशाला के प्रथम दिन वर्चुअली उपस्थित होकर कार्यशाला के विषय पर अपनी अंतर्दृष्टि साझा की। इस अवसर पर भिलाई इस्पात संयंत्र के कार्यपालक निदेशक पवन कुमार, शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय, दुर्ग की प्रिंसिपल डॉ वर्षा पंड्या चैरसिया, मुख्य महाप्रबंधक निशा सोनी, मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी तापस दासगुप्ता, मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी पी के सरकार, मुख्य महाप्रबंधक

प्रभारी असित साहा उपस्थित थे। इसके अतिरिक्त मुख्य महाप्रबंधक ए के घोष, मुख्य महाप्रबंधक बी के बेहरा सहित मुख्य महाप्रबंधक प्रभारीगण, मुख्य महाप्रबंधक महाप्रबंधक तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारियों सहित सिंटर प्लांट्स के कर्मचारी भी उपस्थित थे। इस दो दिवसीय कार्यशाला में सेल की विभिन्न इकाई बीएसएल, डीएसपी, आईएसपी, आरएसपी, आरडीसीआईएस और माइन्स के साथ-साथ निजी इस्पात संयंत्रों जेएसडब्ल्यू, आरआईएनएल, टाटा स्टील, नेको, टीएसके, टीएसएम तथा अन्य इस्पात संयंत्रों के सिंटर प्लांट विभाग के कई प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया। कार्यपालक

निदेशक अंजनी कुमार ने अन्य गणमान्य अतिथियों के साथ दीप प्रज्वलित कर कार्यशाला का उद्घाटन किया। इसके बाद सरस्वती वंदना के साथ सिंटर प्लांट्स के कर्मचारियों द्वारा छत्तीसगढ़ी स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया।

सीजीएम निशा सोनी ने स्वागत उद्बोधन दिया तथा सीजीएम अनूप कुमार दत्ता ने लियो कार्यशाला के विषय और तकनीकी सत्रों के बारे में जानकारी दी। अंजनी कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि ब्लास्ट फ़ैस प्रक्रिया के लिए सिंटर बनाना सबसे महत्वपूर्ण है और प्रत्येक इस्पात संयंत्र अपने द्वारा उत्पादित सिंटर की गुणवत्ता और मात्रा

से प्रभावित होता है। श्री अंजनी कुमार ने प्रतिनिधियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि आइए सामूहिक रूप से विचार-मंथन करें व हमारे इस्पात संयंत्रों में अधिक कुशल, टिकाऊ और पर्यावरण के अनुकूल सिंटर उत्पादन की प्रक्रिया का सुजन करने के लिए अपने समय और बुद्धि का उपयोग करके इस सिंडिकेट चर्चा में अपनी अंतर्दृष्टि साझा करें।

कार्यशाला में वर्चुअली जुड़े निदेशक प्रभारी (बीएसएल एवं आरएसपी) अतनु भौमिक ने अपने संबोधन में प्रतिनिधियों को प्रेरित करते हुए कहा कि सिंटर उत्पादन, इस्पात निर्माण में शामिल लोगों के लिए बहुत रुचिकर विषय है और सिंटर रिटर्न फ़ाइन्स को कम करना व इस प्रक्रिया को और बेहतर बनाना हम सबकी जिम्मेदारी है। हम अभी भी अधिक टिकाऊ सिंटरिंग प्रक्रिया का सुजन करने की राह पर हैं। यह कार्यशाला एक-दूसरे के अनुभवों का सदुपयोग, सामूहिक चर्चा व विचार-विमर्श कर इस्पात उद्योग के लिए मौलिक, ब्लास्ट फ़ैस टेक्नोलॉजीस, के लिए एक अभिनव समाधान देने का अवसर है।

आज से निगम क्षेत्र में शुरु हुआ आधार अपडेशन शिविर

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई निगम क्षेत्र में नवीन आधार कार्ड बनाने, अपग्रेड एवं सुधार हेतु शिविर का आयोजन किया जा रहा है। 6 दिसंबर से लेकर 19 जनवरी तक चलने वाले शिविर भिलाई निगम के सभी 5 जोन में एक साथ लगाया जाएगा। आम नागरिकों को उनके वाई अथवा मोहल्ले में ही आधार कार्ड बनाने एवं सुधार की सुविधा मिल सके इस उद्देश्य को लेकर निगम आयुक्त रोहित व्यास ने आदेश जारी किये है।

वार्ड 01 जुनवानी में 6 एवं 7 दिसम्बर को जुनवानी चौक दुर्गा मंच व बाजार चौक सामुदायिक भवन, वार्ड 14 शांति नगर में दशहरा मैदान गणेश मंच पार्षद पशु आहार, वार्ड 32 बैकुण्ठधाम सुन्दर नगर में युगनिर्माण स्कूल के पास पार्षद कार्यालय, वार्ड 40 शहीद चम्पन यादव छावनी में मंगल बाजार के पास व राधाकृष्णा